✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 09 अंक - 329

बक्सर, सोमवार 13 अप्रैल 2026

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"संसार के सारे दुःख चित्त की मूर्खता के कारण होते हैं। जितनी मूर्खता ताकतवर उतना ही दुःख मज़बूत, जितनी मूर्खता कम उतना ही दुःख कम। मूर्खता हटी तो समझो दुःख छू-मंतर हो जायेगी।

होर्मुज से किसी भी जहाज को निकलने नहीं देंगे, ट्रंप ने किया नाकेबंदी का ऐलान

पाकिस्तान टॉक्स फेल होते ही रूस का बड़ा दांव, क्रेमलिन ने ऑफर की मध्यस्थता; अमेरिका-ईरान मानेंगे?

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

ईरान के साथ बातचीत विफल होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भड़क उठे हैं। उन्होंने धमकी दी है कि अमेरिका तत्काल प्रभाव से होर्मुज में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले जहाजों की नाकेबंदी शुरू कर देगा । साथ ही उन्होंने यह भी कहाकि अगर इसके रास्ते में कोई आता है तो उसे उड़ा दिया जाएगा।

ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने अमेरिकी नेवी को उन जहाजों को रोकने का निर्देश दिया है, जिन्होंने होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को शुल्क चुकाया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत विफल रही। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर जरूरत से ज्यादा मांग रखने की बात कह रहे हैं। इस वार्ता के विफल होने के बाद ट्रंप ने ट्रुप सोशल पर अपनी बात लिखी है।

उधर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई महत्वपूर्ण शांति वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद रूस ने मध्यस्थता की भूमिका निभाने की पेशकश की है। क्रेमलिन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। समाचार एजेंसी इंटरफैक्स के अनुसार, अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के तुरंत बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बातचीत की। इस कॉल में मॉस्को के क्षेत्रीय कूटनीति में सक्रिय रहने के इरादे का स्पष्ट संकेत मिला है।

ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिकी नेवी की नाकेबंदी बहुत जल्द शुरू होने वाली है। साथ ही यह भी कहाकि अगर किसी भी ईरानी ने अमेरिका या किसी अन्य शांतिपूर्ण जहाज पर गोलियां चलाईं तो उसे उड़ा दिया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहाकि इस नाकेबंदी में अन्य देश भी शामिल होंगे। उन्होंने कहाकि ईरान को गैरकानूनी ढंग से वसूली से रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। ट्रंप का कहना है कि ईरान जहाजों को सुरक्षित निकासी देने के बदले गलत ढंग से वसूली कर रहा है।

ट्रंप ने लिखा है कि अमेरिकी नेवी दुनिया की सबसे बेहतरीन नेवी है। यह तत्काल प्रभाव से होर्मुज से आने-जाने वाले जहाजों की नाकेबंदी शुरू कर देगी। उन्होंने लिखा कि ईरान को इस अवैध आपराधिक दुरुपयोग से लाभ नहीं लेने दिया जाएगा। वे पैसा चाहते हैं और उससे भी महत्वपूर्ण, वे परमाणु चाहते हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली है। विभिन्न देशों के नेता, खासकर अमेरिका, कभी भी जबरन वसूली का शिकार नहीं होगा। उन्होंने लिखा कि मैंने हमारी नेवी को यह भी निर्देश दिया है कि वे अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में ईरान को टोल का भुगतान करने वाले हर जहाज को खोजें और रोकें। जिस किसी ने भी अवैध टोल का भुगतान किया है, उसे सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा।

मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच ऐक्शन में जयशंकर : पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की और भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। रविवार को अबू धाबी में हुई मुलाकात के दौरान जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं तथा पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की भलाई के लिए यूएई सरकार के प्रयासों की सराहना की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयशंकर ने लिखा कि आज अबू धाबी में यूएई के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात कर मुझे अत्यंत सम्मानित महसूस हुआ। उन्होंने आगे कहा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और संघर्ष के दौरान भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आभार जताया। व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उनके मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया।

...तो दिखा देते औकात; तुर्की की इजरायल पर हमले की धमकी

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच तुर्की ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को 'हिटलर' करार दिया है। तुर्की सरकार ने नेतन्याहू पर अमेरिका-ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता को कमजोर करने का आरोप लगाया है, जबकि क्षेत्र दो सप्ताह के नाजुक युद्धविराम के तहत सांस रोके हुए है। यह तीखी टिप्पणी नेतन्याहू द्वारा तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन पर ईरान समर्थित समूहों को संरक्षण देने और कुर्द नागरिकों का नरसंहार करने का आरोप लगाने के बाद आई है। नेतन्याहू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि उनके नेतृत्व में इजरायल ईरान के आतंकी शासन और उसके सहयोगियों से लड़ना जारी रखेगा, जबकि एर्दोगन उन्हें शरण दे रहे हैं। वहीं एर्दोगन ने कहा कि अगर अमेरिका-ईरान के बीच वार्ता ना होती तो औकात दिखा देते।

आखिरी वॉर्निंग है, वरना... होर्मुज में ईरान की धमकी से भाग खड़ा हुआ अमेरिकी जंगी जहाज

तेहरान अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद वार्ता विफल होने के बाद तनाव और बढ़ गया है। दोनों देशों में एक बार फिर से युद्ध शुरू होने का खतरा मंडराने लगा है। फिलहाल, दो हफ्तों का युद्धविराम है, लेकिन यह कब तक चलेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि दोनों ही देश एक-दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, ईरान ने रविवार को दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में एक अमेरिकी जहाज को खदेड़ दिया। ईरानी सेना ने अमेरिकी जहाज को देखते ही कहा कि आखिरी चेतावनी है, वरना अगर जहाज पीछे नहीं हटा तो हमला कर देंगे। इसके बाद अमेरिकी नेवी का जहाज वहां से भाग खड़ा हुआ।

पीएम नेतन्याहू का आया एक फोन कॉल और ईरान-यूएस बातचीत हो गई फेल

तेहरान पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान की शांति वार्ता 21 घंटे तक चली मैराथन बैठक के बाद भी सफल नहीं हो सकी। दोनों देशों में कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी, जिसके चलते अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधिमंडल वापस अपने देश लौट गया। ईरान ने दावा किया है कि बातचीत के दौरान इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की एक फोन कॉल आई और बीच में ही बातचीत पटरी से उतर गई। ईरान ने बड़ा दावा करते हुए पूरी बैठक की इनसाइड स्टोरी बताई है।

खास-खबर

आशा भोसले का निधन, 92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

मुंबई (एजेंसी)। संगीत जगत को एक बड़ा झटका लगा है। सैकड़ों फिल्मों के गीतों को स्वरों से सजाने वाली और शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में भी खास मुकाम हासिल करने वालीं 92 साल की गायिका आशा भोसले ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। कार्डिएक अरेस्ट और फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से शनिवार को ही उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। रविवार सुबह से ही उनकी हालत नाजुक बनी हुई थी। आशा भोसले के निधन के बाद बॉलिवुड इंडस्ट्री में मातम पसर गया है।

दलित मेडिकल छात्र की मौत पर हंगामा, परिवार ने जाति और रंग का मजाक उड़ाने का लगाया आरोप

कन्नूर (एजेंसी)। केरल में कन्नूर डेंटल कॉलेज के फर्स्ट ईयर के दलित छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पर बवाल मचा हुआ है। पुलिस ने कॉलेज के कुछ फैकल्टी सदस्यों के खिलाफ जांच शुरू की है। छात्र के माता-पिता और मित्रों की ओर से भावनात्मक उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं। अभी तक पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है। छात्र की पहचान तिरुवनंतपुरम निवासी 22 वर्षीय नितिन राज आरएल के रूप में हुई है, जो अंजराकांडी स्थित कॉलेज में बीडीएस प्रथम वर्ष का छात्र था। पुलिस के अनुसार, 10 अप्रैल की दोपहर राज इमारत से गिरने के बाद मेडिकल कॉलेज ब्लॉक के पास गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने आंतरिक जांच शुरू की और शनिवार को डेंटल एनाटॉमी विभाग के प्रमुख एमके राम व एसोसिएट प्रोफेसर केटी संगीता नाम्बियार को निलंबित कर दिया।

सीएम साय के काफिले में 6 बुलेटप्रूफ नई गाड़ियां शामिल

रायपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का काफिला इन दिनों चर्चा में है। राजधानी रायपुर में प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंचने के दौरान उनके काफिले में बड़ा बदलाव देखने को मिला। अब तक पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में खरीदी गई टोयोटा फॉर्च्यूनर गाड़ियों का उपयोग किया जाता था, लेकिन अब उनकी जगह 6 नई महिंद्रा स्कॉर्पियो ने ले ली है।

मुख्यमंत्री के काफिले में एक-दो नहीं, बल्कि छह नई बुलेटप्रूफ महिंद्रा स्कॉर्पियो गाड़ियां शामिल की गई हैं। करीब ढाई साल बाद काफिले में हुए इस बदलाव ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। भाजपा कार्यालय के बाहर मौजूद लोगों में नई गाड़ियों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। वे इनके फीचर्स और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा करते नजर आए।

नाराज विपक्ष को मनाने की कोशिश

महिला आरक्षण बिल पर पीएम मोदी ने सभी दलों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक के समय को लेकर नाराज चल रहे विपक्ष के साथ आम सहमति बनाने की कवायद चल रही है। इस सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की है। पीएम मोदी ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने से संबंधित इस विधेयक को पारित कराने के लिए गुरुवार से एक बार फिर शुरू होने वाली संसद की बैठक से पहले शनिवार को पत्र लिखा है।

पत्र में इस विधेयक पर होने वाली चर्चा को ऐतिहासिक बताते हुए इसे लोकतंत्र को और सशक्त बनाने का अवसर करार दिया है और कहा है कि वह इस बारे में सबकी सामूहिक प्रतिबद्धता की भावना से यह पत्र लिख रहे हैं। उन्होंने कहा, '16 अप्रैल से संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित एक ऐतिहासिक चर्चा होने जा रही है। यह विशेष सत्र हमारे लोकतंत्र को और सशक्त बनाने का एक अवसर है। यह एक ऐसा क्षण भी है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ने और सभी को साथ लेकर चलने की अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहरा सकते हैं। मैं इसी भावना और उद्देश्य के साथ आपको यह पत्र लिख रहा हूं।'

प्रधानमंत्री ने सांसदों से इस विधेयक को एक स्वर से पारित करने के लिए दलगत राजनीति से उपर उठकर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा, 'मैं यह पत्र इसलिए लिख रहा हूं ताकि हम सभी एक स्वर में इस संशोधन को पारित करने के लिए एकजुट हों। यह अच्छा होगा कि अधिक से अधिक सांसद इस विषय पर संसद में अपने विचार व्यक्त करें। यह क्षण किसी एक दल या व्यक्ति से ऊपर है। यह महिलाओं और हमारी आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी दिखाने का समय है। चूंकि सभी राजनीतिक दल लंबे समय से राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की इच्छा व्यक्त करते रहे हैं, इसलिए अब उस आकांक्षा को वास्तविकता में बदलने का यह सही समय है। यह देश की नारी शक्ति और 140 करोड़ भारतीयों के लिए एक महान उपलब्धि होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि हम सभी एक साथ आकर संसद में इस ऐतिहासिक कार्य को पूरा करेंगे। '

आपको रविवार की छुट्टी क्यों चाहिए ? सुप्रीम कोर्ट के जज ने वकीलों से ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत के दो जजों ने वकीलों को ऐसी सलाह दी, जिसकी खूब चर्चा हो रही है। जस्टिस अरविंद कुमार ने युवा वकीलों को वीकेंड कल्चर से दूर रहने और कठिन परिश्रम की सलाह दी, वहीं जस्टिस पीके मिश्रा ने मध्यस्थता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती अनिवार्य भूमिका और उसके खतरों पर चर्चा की। ICA के पांचवें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए जस्टिस अरविंद कुमार ने युवा अधिवक्ताओं को अनुशासन और लंबे समय तक काम करने की संस्कृति अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों के युवा वकीलों में शनिवार-रविवार की छुट्टी लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई।

जस्टिस कुमार ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि बेंगलुरु में उनके समय में वकालत में छुट्टियों का कोई स्थान नहीं था। उन्होंने कहा, 'हम रात 11:30 से लेकर देर रात 1:30 बजे तक काम करते थे। एकमात्र छुट्टी रविवार की शाम 4:30 बजे के बाद मिलती थी।'

भारत की कानूनी व्यवस्था के सामने क्या है सबसे बड़ा चैलेंज, सीजेआई सूर्यकांत ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि देश की कानूनी व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानूनों का अभाव नहीं, बल्कि आम नागरिकों की उन तक सीमित पहुंच है। उन्होंने कानूनी अधिकारों और उनकी व्यावहारिक उपलब्धता के बीच की खाई को पाटने के लिए तत्काल प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया है।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, उत्तराखंड उच्च न्यायालय और उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय नॉर्थ जोन क्षेत्रीय सम्मेलन 'जस्टिस बियॉन्ड बैरियर्स: राइट्स, रिहैबिलिटेशन एंड रिफॉर्म फॉर द मोस्ट वल्नरेबल' को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि भारत में अधिकारों और नीतियों का मजबूत ढांचा मौजूद है, लेकिन दूरी, देरी और क्रियान्वयन की कमियों के कारण ये लाभ अक्सर जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाते। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, 'न्याय का केवल अस्तित्व पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक अंतिम नागरिक के दरवाजे तक समय पर पहुंचना चाहिए।

बंगाल में ऐसा क्यों बोले पीएम मोदी?

'तृणमूल सरकार ने मदरसों के लिए 6 हजार करोड़ रुपये दिए, मगर...'

कोलकाता (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर रविवार को जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि टुकड़े-टुकड़े गिरोह ने पूर्वोत्तर को देश के शेष भाग से अलग करने के लिए रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी थी और टीएमसी ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण सड़कों से लेकर संसद तक उन्हें समर्थन दिया। उत्तरी शहर सिलीगुड़ी के कावाखाली मैदान में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार के रूप में काम करने वाले इस कॉरिडोर को बड़े पैमाने पर विकसित करने के लिए काम कर रही है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया, 'देश में टुकड़े-टुकड़े गिरोह सक्रिय है, जिसने सिलीगुड़ी कॉरिडोर को काटने की धमकी दी। वे पूर्वोत्तर को देश से अलग करना चाहते हैं। तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त तृणमूल कांग्रेस, सड़कों से लेकर संसद तक ऐसे लोगों का समर्थन करती है। यही तृणमूल का असली चेहरा है।' प्रधानमंत्री ने दावा किया कि तृणमूल सरकार ने मदरसों के विकास के लिए 6,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, लेकिन पूरे उत्तर बंगाल के लिए अपर्याप्त धनराशि आवंटित की गई। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, 'तृणमूल आदिवासी-विरोधी, महिला-विरोधी और युवा-विरोधी पार्टी है।' उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता में दिख रहे जोश ने उन्हें आश्वस्त कर दिया है कि आगामी चुनावों में तृणमूल की हार निश्चित है। राज्य में दो चरण में मतदान होगा। सिलीगुड़ी में पहले चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। दूसरा चरण 29 अप्रैल को होगा और मतगणना चार मई को होगी। नरेंद्र मोदी ने लोगों से डबल इंजन सरकार के लिए वोट देने का आग्रह करते हुए कहा कि बंगाल में विकास की गति दोगुनी हो जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने अपने 15 साल के कार्यकाल में राज्य को बर्बाद कर दिया और केंद्र सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन रोक दिया, जिसके चलते 25 प्रतिशत से भी कम काम पूरा हुआ है।

पंजाब सरकार का ऐलान

अपराधियों की सूचना दीजिए और पाइए मोटा इनाम, पहचान रहेगी गुप्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य में अपराध कम करने और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नई पुरस्कार नीति शुरू की है। इसके तहत अपराधियों के बारे में जानकारी देने वाले लोगों को इनाम दिया जाएगा।

गैंगस्टरों ते वार प्रोजेक्ट के अंतर्गत सरकार ने एसएसपी को 1 लाख रुपये तक, पुलिस कमिश्नर/रेंज आईजी/डीआईजी को 1.5 लाख रुपये तक, विभिन्न विंगों के प्रमुखों (स्पेशल डीजीपी/एडीजीपी) को 2 लाख रुपये तक और डीजीपी को 2 लाख रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत करने की शक्तियां प्रदान की हैं। यह इनाम केवल सही और प्रमाणिक सूचना देने वाले व्यक्तियों को ही दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य राज्य में अपराध और गैंगस्टर नेटवर्क पर पूरी तरह से लगाम लगाना है। साथ ही 28 मोस्ट वांटेड क्रिमिनल्स की लिस्ट भी जारी की गई है। पहले जांच की जाएगी और तय मानकों के आधार पर ही इनाम दिया जाएगा। साथ ही सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और उसे किसी प्रकार का खतरा नहीं होने दिया जाएगा। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 9394693946 पर जानकारी साझा कर सकते हैं।

'उर्दू जहां बोली जाती है वहां चले जाओ', बंगाल में चुनावी मंच से सीएम योगी ने किसे ललकारा

पूर्व मेदिनीपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पश्चिम बंगाल में ताबड़तोड़ चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पूर्व मेदिनीपुर में सीएम योगी ने कहा कि कोलकाता के मेयर आज खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल की आधी आबादी उर्दू बोलेगी, जिसका मतलब है कि वे बांग्ला भाषा को मिटाना चाहते हैं और बंगाली पहचान को पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन लोगों से कह दो कि अगर उन्हें उर्दू ही बोलनी है तो वह जगह चले जाएं जहां उर्दू वास्तव में बोली जाती है।

पूर्व मेदिनीपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'वही बंगाल जो कभी भारत की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन था, भारत की अर्थव्यवस्था में जिस बंगाल का योगदान एक-तिहाई से भी अधिक था, आज पहले कांग्रेस ने, फिर वामपंथियों ने और 15 वर्षों में TMC की सरकार ने इस बंगाल को नोंच डाला है। कंगाल बनाकर रख दिया है। यहां पर इस हद तक भ्रष्टाचार होता है... गरीबों के हक का पैसा कटमनी में झारखंड के गुंडे खा जाते हैं, मछुआरों और किसानों के साथ सिर्फ झूठे वादे किए जाते हैं। यहां विकास नहीं केवल वसूली का तंत्र हावी है। याद कीजिए कि कभी शिक्षा, संस्कृति, कला और उद्यम की भूमि रहा बंगाल आज अपनी पहचान के लिए मोहताज है।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नंदकुमार इलाके में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'बंगाल प्रेरणा की भूमि है और यह भारत को दिशा देती है। इसी धरती पर एक सन्यासी ने वैश्विक मंच पर सनातन धर्म का झंडा गाढ़ने का काम किया था। बंगाल की इसी धरती से नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर प्रहार करते हुए कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर दी थी। हमारा राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान भी बंगाल की धरती ने ही हमें दिया है।'

पश्चिम बंगाल में तुष्टीकरण की नीति अपनाए जाने का आरोप लगाते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोगों से राज्य में डबल इंजन की सरकार के लिए वोट करने का आग्रह किया। बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल को स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण की भूमि के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने देश की आध्यात्मिक खोज को समृद्ध किया।

लालू लड़े, चाचा नीतीश झुके; तेजस्वी यादव बोले गुजरात से ही रिमोट से चलेगी बिहार सरकार

पटना (संवाददाता)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार बीजेपी के आगे झुक गए। इसी का नतीजा उन्हें भुगतना पड़ा। उन्हें दिल्ली भेज दिया गया और बीजेपी गुजरात से बिहार की सरकार चलाएगी। तेजस्वी यादव रविवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित पान समाज के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लालू यादव आज भी भाजपा से लड़ाई लड़ रहे हैं, उनका बेटा कभी पीछे नहीं हटेगा। कार्यक्रम का आयोजन सरहसा विधायक आई पी गुप्ता की पार्टी इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी की ओर से किया गया था। इसमें राहुल गांधी को भी न्योता दिया गया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश मेंअच्छे दिन नहीं ला पाए पर हम सब लोग मिल गए तो बिहार में अच्छे दिन जरूर लाएंगे। पान समाज को आरक्षण महागठबंधन ही दिला सकता है क्योंकि बीजेपी आरक्षणखोर पार्टी है। आरक्षण के बल पर यह समाज मुख्य धारा में आएगा और आपको हक अधिकार दिलाने में राष्ट्रीय जनता दल पूरी ताकत के साथ लड़ेगा। भाजपा कभी आपको हक अधिकार नहीं देगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि विगत विधानसभा चुनाव का रिजल्ट असली नहीं बल्कि मशीन का रिजल्ट है। तंत्र मंत्र लगाकर मशीन और धन का खेला हुआ। हम लोगों के 35 विधायक हैं पर कम नहीं है। किसी को उठाने के लिए चार लोगों की जरूरत पड़ती है। चुनाव में 10 हजार बांट कर सरकार ने वोट ले लिया। अब दो लाख नहीं दे रहे हैं। हम लोगों की योजना की चोरी करके एनडीए ने लोक लुभावन वादे किए।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी ने नीतीश कुमार को बर्बाद कर दिया। जो व्यक्ति 20 सालों तक मुख्यमंत्री रहे उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया। उनकी विदाई कर दी गई। अब जदयू का भविष्य अंधेरे में है। चिराग पासवान हनुमान बनते हैं पर उनका बंगला ही छीन लिया। चाचा भतीजा को लड़वाकर पार्टी को तोड़ दिया गया। अब जरूरत पड़ी तो फिर मिला लिया। यह बात उनकी समझ में नहीं आ रही है।

तेजस्वी यादवने यह भी कहा कि एनडीए सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। जब हमारी सरकार थी तो 5 लाख शिक्षकों की बहाली की गयी। आज टीआरई 4 के अभ्यर्थी सड़क पर आन्दोलन कर रहे हैं पर कोई सुनने वाला नहीं है। बिहार के 76 हजार स्कूलों में संगीत शिक्षक की बहाली नहीं की गई पर स्कूलों में 160 करोड़ का हारमोनियम, तबला, ढोलक, झाल भेज दिया गया। इतना बड़ा घोटाला किया गया पर कोई पूछने वाला नहीं है।

बिहार में सीएम फेस पर हलचल तेज

बीजेपी विधायक दल का नेता चुनने के लिए शिवराज सिंह ऑब्जर्वर बने

पटना (संवाददाता)। बिहार के नए मुख्यमंत्री के लिए नेता के चयन की कवायद तेज हो गई है। बीजेपी विधायक दल की बैठक में जल्द ही नेता का चुनाव किया जाएगा। भाजपा संसदीय बोर्ड ने बिहार में पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। हालांकि, भाजपा विधायक दल की बैठक की तारीख अभी तक सामने नहीं आई है। लिस्ट में कई नामों की चर्चा है पर सबसे अधिक दावेदारी सम्राट चौधरी के नाम की हो रही है। यह भी चर्चा है कि भाजपा चौंकाने वाले फैसले करने में माहिर है। पप्पू यादव ने दावा किया है कि जिन नामों की चर्चा हो गई है उन्हें भाजपा सीएम नहीं बनाएगी। नीतीश कुमार 14 अप्रैल को अपने कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

पूरे बिहार समेत केंद्र की सिसायत में हर सचेत, सक्रिए और राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले व्यक्ति की जुबान पर एक ही सवाल है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। इस सवाल का जवाब देने की कवायद तेज हो गई है। जल्द ही बिहार भाजपा विधायक दल की बैठक में सीएम का चेहरा फाइनल कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस बैठक के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने उन्हें यह जिम्मेवारी सौंपी है। इससे पहले शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अमित शाह के आवास पर जाकर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे की मीटिंग हुई। माना जा रहा है कि बिहार में सीएम फेस नई सरकार से स्वरूप पर मंथन हुआ। रविवार को दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने 1 अणे मार्ग जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार शाम से ही के दिल्ली से लौटने के बाद से ही हलचल जारी है। कई मंत्रियों ने पहुंचकर नीतीश कुमार से मुलाकात की। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बताया कि नई सरकार के गठन की समीक्षा की जा रही है। सीएम कौन बनेगा यह भाजपा को तय करना है हालांकि, इसमें नीतीश कुमार की भावना का पूरा खयाल रखा जाएगा। नीतीश कैबिनेट में मंत्री श्रवण कुमार, मदन सहनी भी सीएम आवास पर पहुंचे। शनिवार को भी सम्राट चौधरी सीएम से मिलने गए थे। सीएम ने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत को भी बुलाया था। इतना तो तय हो गया है कि अगले सीएम भाजपा से ही होंगे। सम्राट चौधरी के साथ विजय कुमार सिन्हा, संजय जायसवाल, दिलीप जायसवाल, रेणू देवी, रमा निषाद, श्रेयसी सिंह, संजीव चौरसिया, जनक राम जैसे नेताओं का नाम चर्चा में है।

पप्पू यादव का तर्क के साथ दावा

सम्राट चौधरी को सीएम नहीं बनाएगी बीजेपी

पटना (संवाददाता)।

बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह सवाल बिहार की सियासत का सबसे अहम प्रश्न बन गया है। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने जो दावा किया है उसके अनुसार डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सीएम नहीं बन पाएंगे। बिहार का सीएम वही बनेगा जिसे कोई नहीं जानता हो। उन्होंने कहा है कि जदयू को निशांत कुमार को सीएम बना देना चाहिए क्योंकि बिहार को एक विनम्र शासक की जरूरत है। पप्पू यादव ने कहा कि नीतीश कुमार को अभी बिहार नहीं छोड़ना चाहिए।

बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में अनुकंपा पर ही सीएम बनना है। जिसे कोई नहीं जानता हो उसे ही बीजेपी मुख्यमंत्री बना देगी। जिसका भी नाम आ गया हो उसे भाजपा मौका नहीं देती है। कोई ऐसा व्यक्ति सीएम बनेगा जिसे कोई नहीं जानता होगा। बिहार में मुख्यमंत्री दिल्ली से बनाया जाएगा। पत्रकारों के सवाल के जवाब में यह भी कहा कि नीतीश कुमार को अभी बिहार नहीं छोड़ना चाहिए था। एनडीए को 25 से 30 फिर से नीतीश के नाम पर बहुमत जनता ने दिया।

पप्पू यादव ने यह भी कहा कि बिहार में अनुकंपा पर सीएम बनाया जाएगा। किसी मजबूत आदमी को भाजपा सीएम नहीं बनाएगी। लेकिन, सीएम जनता दल यू से बनाया जाना चाहिए।

BRABU पीजी हॉस्टल बना 'कारतूस' की मंडी

200 गोलियों के साथ 2 शातिर तस्कर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय के हॉस्टल में रहकर कारतूसों की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। काजी मोहम्मदपुर थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 200 जिंदा कारतूसों के साथ दो तस्करों को रंगे हाथ दबोचा है। पकड़े गए तस्करों की पहचान सिवान के अभिषेक तिवारी और सीतामढ़ी के अनमोल कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस की जांच में जो खुलासा हुआ है वह बेहद डराने वाला है। गिरफ्तार दोनों तस्कर यूनिवर्सिटी परिसर स्थित 'पीजी थर्ड' हॉस्टल के कमरा नंबर 54 और 55 में अवैध रूप से रह रहे थे। ये तस्कर विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच छिपकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। कार्रवाई के दौरान दोनों अपनी बुलेट बाइक से कारतूसों की बड़ी खेप लेकर वापस पीजी थर्ड हॉस्टल ही जा रहे थे, तभी काजी मोहम्मदपुर थानेदार नवलेश कुमार ने टीम के साथ कलमबाग-खबरा रोड पर घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। हॉस्टल से कारतूसों की बरामदगी ने विश्वविद्यालय प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में माहौल काफी तनावपूर्ण है। कुलपति के कुछ फैसलों के खिलाफ छात्र पिछले तीन दिनों से अनशन पर बैठे हैं। हाल ही में कुलपति आवास पर बम फेंकने की घटना भी हुई थी, जिसकी जांच अभी चल ही रही है। ऐसे में हॉस्टल से 200 गोलियों का मिलना किसी बड़ी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। थानेदार नवलेश कुमार ने बताया कि दोनों के पास से 200 गोलियां बरामद की गई हैं। फिलहाल पुलिस के बयान पर काजी मोहम्मदपुर थाने में एफआईआर दर्ज की जा रही है।

पुलिस अब इन तस्करों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कारतूसों की यह खेप किसे सप्लाई की जानी थी। क्या इन गोलियों का इस्तेमाल विश्वविद्यालय में चल रहे विरोध प्रदर्शन या कुलपति आवास पर हुए हमले से जुड़ा है, पुलिस इस बिंदु पर भी गंभीरता से जांच कर रही है। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय के आम छात्रों और अभिभावकों में दहशत का माहौल है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बाहरी लोग इतनी आसानी से हॉस्टल के कमरों में अवैध रूप से कैसे रह रहे थे और प्रशासन को इसकी भनक तक क्यों नहीं लगी?

बक्सर में 'नकली शादी' गैंग का पर्दाफाश

बक्सर (संवाददाता)। बिहार के बक्सर जिले से ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और आम जनता दोनों को हैरान कर दिया है। यहाँ शादी के नाम पर भोले-भले लोगों को अपना शिकार बनाने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। बक्सर पुलिस ने इस 'लुटेरी दुल्हन' गिरोह के कुल आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चार महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं।

यह गिरोह काफी योजनाबद्ध तरीके से वारदातों को अंजाम दिया करता था। गिरोह के सदस्य पहले ऐसे लोगों की तलाश करते थे, जिनकी शादी नहीं हो रही होती थी। फिर उन्हें शादी का झांसा देकर एक महिला को 'दुल्हन' के रूप में पेश किया जाता था। शादी संपन्न होने के कुछ ही समय बाद गिरोह के अन्य सदस्य 'नकली पुलिसकर्मी' या दुल्हन के परिजन बनकर पहुँच जाते थे और लड़के वालों को डरा-धमकाकर गहने और पैसे लूट लेते थे। बक्सर एसपी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में वह महिला भी शामिल है जिसे दुल्हन बनाकर पेश किया गया था। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिस महिला को कुंवारी बताकर शादी करवाई गई, वह पहले से ही शादीशुदा है और दो बच्चों की मां है। यह गिरोह न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि बक्सर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में भी सक्रिय था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 38,500 रुपये नकद, सोने की बाली, चांदी की पायल, मोबाइल फोन और वह ऑटो बरामद किया है जिसका इस्तेमाल ये लोग वारदात को अंजाम देने के लिए करते थे। एसपी शुभम आर्य ने बताया कि ये लोग योजना के तहत घटना को अंजाम देते थे ताकि पीड़ित पक्ष लोक-लाज के डर से पुलिस के पास न जाए।

टेलर मास्टर की चाकू गोदकर हत्या

दरभंगा (संवाददाता)। बिहार के दरभंगा में एक टेलर मास्टर को बदमाशों ने चाकू गोदकर मारा डाला और बीच बचाव करने गए भाई और मां को भी जख्मी कर दिया। जिले के सिमरी थाना क्षेत्र की भारठी पंचायत के मनिहास गांव की घटना है। बगल के गांव से पहुंचे आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने एक युवक को घर से बुलाकर चाकू गोदकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस कांड की तहकीकात में जुट गई है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर कांड के कारणों का पता लगा रही है।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सिमरी पुलिस ने लाश को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। दोनों घायलों को उपचार के लिए दरभंगा भेजा गया है। मृतक मनिहास निवासी 27 वर्षीय जहांगीर आलम बताया गया है।

बिहार की बेटी ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में रचा इतिहास

गौतम अडानी के बेटे की बराबरी की

सहरसा (संवाददाता)।

बिहार के सहरसा की बेटी रीता सिंह न हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि से दुनिया के प्रसिद्ध उद्यमी गौतम अडानी के बेटे जीत अडानी की बराबरी कर ली है। पिछले तीन दशकों से शिकागो (अमेरिका) में रह रहीं रीता सिंह ने विश्व के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से ओनर्स प्रेसिडेंट्स मैनेजमेंट प्रोग्राम (ओपीएम) की डिग्री प्राप्त कर नया इतिहास रच दिया है। बिहार की युवा पीढ़ी के लिए रीता सिंह ने एक मिसाल पेश किया है जिसकी चारों ओर तारीफ हो रही है।

रीता सिंह ओपीएम डिग्री हासिल करने जैसी बड़ी उपलब्धि वाली बिहार की पहली महिला बन गई हैं। रीता सिंह शिकागो की सफल और सम्मानित महिला उद्यमियों में गिनी जाती हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा है। उनकी सफलता प्रवासी भारतीय समुदाय और महिला उद्यमियों के लिए प्रेरणास्रोत है। सहरसा के भरौली निवासी रीता सिंह के पिता जे.बी. सिंह गुप्तचर ब्यूरो के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। उनके संस्कार और मार्गदर्शन ने रीता सिंह की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बेटी की इस उपलब्धि से परिवार समेत सहरसा में हर्ष का माहौल है। गांव में लोगों ने इस मौके पर लोगों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। गांव के लोगों ने बताया कि जब वे यहां आएंगी तो भव्य समारोह का आयोजन करके उन्हें सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 9 अप्रैल 2026 को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षांत समारोह में देश के प्रसिद्ध उद्योगपति गौतम अडानी के सुपुत्र जीत अडानी ने भी अपनी डिग्री प्राप्त की। रीता सिंह की यह उपलब्धि नारी सशक्तिकरण, शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्र में एक मील का पत्थर है तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

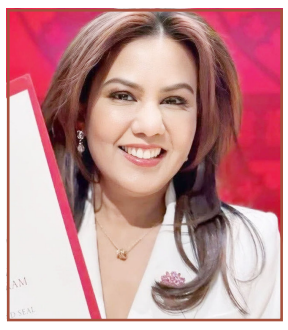

बीते दो दशकों अपने पति और दो बेटियों के साथ शिकागो में रह रही रीता सिंह महिला सशक्तिकरण की दिशा में किये जा रहे महत्वपूर्ण कामों की वजह से कई अवार्ड से सम्मानित हो चुकी है। रीता की ससुराल सरोजा में है।

स्कूली शिक्षा राउरकेला में हुई

इंटेलिजेंस ब्यूरो में सहायक निदेशक पद से अवकाश प्राप्त जंग बहादुर सिंह कि बड़ी बेटी रीता की स्कूली शिक्षा राउरकेला में हुई। उसके पिता जब स्थानांतरित होकर जमशेदपुर आए तो रीता ने जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज से स्नातक किया। इसके बाद इनका स्थानांतरण दिल्ली हो गया तो रीता ने यहीं दिल्ली पॉलीटेक्निक से इंटीरियर डिजाइनिंग का कोर्स किया।

बालीवूड कलाकारों से नजदीकी रिश्ता

उसकी शादी सरोजा गांव निवासी साफ्टवेयर इंजीनियर संजीव कुमार सिंह के साथ हुई है। रीता एसआर इंटरनेशनल कंपनी की संस्थापक और अध्यक्ष है। यह कंपनी आईटी सेक्टर, इंटरटेनमेंट और इंवेट मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम कर रही। रीता दूरदर्शन से भी जुड़ी रही है और 2013 में फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन शिकागो की पहली महिला अध्यक्ष रह चुकी है। वह इंडियन अमेरिकन यूथ आर्गनाइजेशन, बिहार कल्चरल एसोसिएशन सहित अनेक संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों को सुशोभित कर चुकी है। बालीवुड कलाकारों से नजदीकी रिश्ता रखने वाली रीता अमेरिका में मिस टीन इंडिया, मिस इंडिया मिड वेस्ट ब्यूटी प्रतियोगिता का सफल आयोजन कर चुकी है।

स्वाभिमान की नई पहचान : छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण का स्वर्णिम दौर

डॉ. दानेश्वरी संभाकर,
उप संचालक
रायपुर।

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, स्वाभिमान और आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा रही है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की योजनाएं अब जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम दे रही हैं, जिसका स्पष्ट प्रतिबिंब आंकड़ों में दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि महतारी गौरव वर्ष महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने का व्यापक अभियान है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में महिलाओं और बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आंगनबाड़ी संचालन के लिए 800 करोड़ रुपए, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपए तथा कुपोषण मुक्ति व पोषण अभियान के लिए 235 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, जो आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महतारी वंदन योजना एक मील का पत्थर साबित हुई है। 10 मार्च 2024 को प्रारंभ इस योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए की सहायता मिल रही है। अब तक 26 किस्तों के माध्यम से 16 हजार 881 करोड़ रुपए से अधिक राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, वहीं इस योजना के लिए 8 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए प्रस्तावित रानी दुर्गावती योजना के तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर 1 लाख 50 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्य में महिलाओं के लिए आधारभूत सुविधाओं का विस्तार भी तेजी से हो रहा है। महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत अब तक 368 सदनों को स्वीकृति दी जा चुकी है और 137 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। साथ ही 500 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच और मजबूत होगी। मातृत्व सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत 3 लाख 73 हजार से अधिक पंजीयन दर्ज किए गए हैं तथा 235 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2023-24 में जहां 1 लाख 75 हजार से अधिक पंजीकरण हुए, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 2 लाख 19 हजार से अधिक हो गई। वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2 लाख 4 हजार से अधिक पंजीयन हो चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का 93 प्रतिशत से अधिक है। पोषण अभियान में भी राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पोषण माह 2024 के दौरान प्रति केंद्र प्रदर्शन में प्रदेश को प्रथम स्थान तथा कुल गतिविधियों में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं न्योता भोज जैसे नवाचारों के तहत 9 हजार 700 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 1 लाख 83 हजार से अधिक बच्चों को लाभ मिला। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट जैसे कार्यों से जोड़ा जा रहा है तथा लखपति दीदी योजना के माध्यम से उन्हें व्यवसायिक अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उज्ज्वला योजना के तहत लगभग 38 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं, जिससे उन्हें स्वच्छ ईंधन की सुविधा मिली है। वहीं सखी वन स्टॉप सेंटरों की संख्या 27 से बढ़ाकर 34 कर दी गई है, जहां 14 हजार 300 से अधिक प्रकरणों में से 8 हजार 900 से अधिक का निराकरण किया जा चुका है। स्पष्ट है कि 'महतारी गौरव वर्ष' केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि ठोस परिणाम देने वाला अभियान है। विष्णु देव साय और लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में महिलाएं अब विकास की धुरी बनकर उभर रही हैं और राज्य को नई दिशा दे रही हैं।

पांडुलिपि संरक्षण में आगे आएँ : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का प्रदेशवासियों से आह्वान

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों से छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन ज्ञान परंपरा के संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी पांडुलिपियाँ हमारी सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान-वैभव का जीवंत प्रमाण हैं, जिन्हें सुरक्षित रखकर भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' इस दिशा में एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान देशभर में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके पास कोई प्राचीन पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ या ताड़पत्र सुरक्षित हैं, तो वे ज्ञानभारतम मोबाइल एप पर उनका विवरण दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों का यह छोटा-सा प्रयास हमारी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने में एक बड़ा योगदान सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध ज्ञान परंपरा को नई पहचान मिलेगी और यह धरोहर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रूप से पहुँच सकेगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपनी जड़ों को सहेजते हुए इस सांस्कृतिक अभियान में सहभागी बनें और ज्ञान की इस अमूल्य धरोहर को गर्व के साथ आगे बढ़ाएँ। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा 'ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान' एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य प्रदेश में उपलब्ध पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उन्हें सुरक्षित, संरक्षित एवं डिजिटल माध्यम से भावी पीढ़ियों तक पहुँचाना है। मार्च 2026 से प्रारंभ इस राष्ट्रव्यापी अभियान में छत्तीसगढ़ राज्य की भी नियमित सहभागिता हो रही है। छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में से 26 जिलों में जिला स्तरीय समिति का गठन और नोडल अधिकारी की नियुक्ति हो गई है, जिलों में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित कर पाण्डुलिपि संग्रह कर्तृता व्यक्तियों / संस्थाओं को चिन्हित किया जा रहा है, तथा ग्राम/क्षेत्रवार सर्वेक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। प्रशिक्षकों को नोडल विभाग (संस्कृति विभाग) द्वारा ज्ञानभारतम के क्षेत्रीय संयोजकों के साथ मिलकर जिला स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अंबिकापुर में हज यात्रियों को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने दी शुभकामनाएँ

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में दी भावभीनी विदाई

रायपुर।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा अंबिकापुर में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने हज यात्रा पर जा रहे सभी जायरीनों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, सुरक्षित और मंगलमय सफर की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि हज यात्रा इस्लाम धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण होती है। यह केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, समर्पण और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सहयोग की भावना के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने हज यात्रियों से अपील की कि वे इस पवित्र यात्रा के दौरान देश और प्रदेश की खुशहाली, शांति एवं समृद्धि के लिए भी दुआ करें। साथ ही, उन्होंने हज कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में समिति की भूमिका सराहनीय है।

इस अवसर पर विधायक लुंड्रा श्री प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के अध्यक्ष श्री मिर्जा एजाज बेग, हज कमेटी के सम्मानित सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर हज यात्रियों को शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। कार्यक्रम के दौरान हज यात्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए तथा उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और यात्रा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की गई।

मिशन कनेक्ट से सुकमा में सुदृढ़ हुआ जनविश्वास : इमली के पेड़ तले सजी चौपाल

हर घर जल आपूर्ति से पोंगाभेज्जी के ग्रामीण प्रसन्न, विकास कार्यों की कलेक्टर ने की मैदानी समीक्षा

रायपुर।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप सुकमा जिले में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अंदरूनी इलाके के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से संचालित मिशन कनेक्ट के अंतर्गत गांवों में चौपाल लगाकर मौके पर ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान और योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने ग्राम पोंगाभेज्जी पहुंचकर वहां की जमीनी हकीकत का मुआयना किया। इस मौके पर शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। मिशन कनेक्ट वास्तव में प्रशासन और ग्रामीणों के मध्य विश्वास एवं संवाद को सुदृढ़ करने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

पोंगाभेज्जी ग्राम पहुंचने पर कलेक्टर एवं अधिकारियों की टीम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित एवं प्रगतिरत आवासों, जल जीवन मिशन के कार्यों, आंगनबाड़ी भवन, शासकीय विद्यालय तथा पंचायत भवन का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने इस मौके पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में आवश्यक गति लाई जाए तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। भ्रमण के दौरान ग्राम में इमली के पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर कलेक्टर ने ग्रामीणों से रूबरू बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, नल-जल कनेक्शन, शौचालय निर्माण, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) अंतर्गत डबरी निर्माण एवं भूमि समतलीकरण कार्य, बकरी शेड एवं गौशाला शेड जैसी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर ग्रामीणों की मांग पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर ने ग्राम में देवगुड़ी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की तथा निर्माणाधीन पुल के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। ग्रामीणों ने बताया कि जल जीवन मिशन के माध्यम से अब अधिकांश घरों तक नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है तथा पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास एवं शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ग्रामीण बेहद प्रसन्न नजर आए। ग्रामीणों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने आगामी शुक्रवार को ग्राम में विशेष आधार शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। ग्राम पोंगाभेज्जी के पश्चात कलेक्टर ने सिरसट्टी, रवापारा एवं बड़ेसेट्टी ग्रामों का भी भ्रमण कर शासकीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए। मिशन कनेक्ट के माध्यम से जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पहुँचे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में समग्र विकास की प्रक्रिया को गति मिले।

दूरस्थ गांवों तक बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाकर बदलाव ला रही हैं रिंगो कश्यप

रायपुर।

कोंडागांव जिले के मर्दापाल तहसील के अंतर्गत अंतिम छोर पर स्थित सुदूर ग्राम कुधुर, जो कभी माओवाद के प्रभाव के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर था, आज परिवर्तन की नई कहानी लिख रहा है। जहां कभी ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की राशि निकालने के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल के बैंक तक जाना पड़ता था, वहीं अब गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। यह परिवर्तन संभव हुआ है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की पहल और बीसी सखी के रूप में कार्यरत श्रीमती रिंगो कश्यप के प्रयासों से। ग्राम पंचायत कुधुर के गुमियापाल पारा की निवासी रिंगो कश्यप न केवल कुधुर, बल्कि तुमड़ीवाल और टेकापाल के ग्रामीणों को भी घर-घर बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर रही हैं। रिंगो कश्यप ने वर्ष 2020 में 'मां पार्वती स्व सहायता समूह' से जुड़कर अपनी यात्रा शुरू की। इसके बाद वर्ष 2024 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने बीसी सखी के रूप में कार्य प्रारंभ किया। आज उनके माध्यम से ग्रामीणों को महतारी वंदन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि गांव में ही आसानी से प्राप्त हो रही है। इसके साथ ही बिजली बिल भुगतान और अन्य वित्तीय लेनदेन भी सरल हो गए हैं। अब तक रिंगो कश्यप द्वारा 355 से अधिक सफल लेनदेन किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 6 लाख 75 हजार रुपये से अधिक है। इस कार्य ने न केवल ग्रामीणों की समस्याओं को कम किया है, बल्कि रिंगो कश्यप के लिए भी स्व-रोजगार का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने स्व-सहायता समूह से ऋण लेकर एक छोटा किराना दुकान भी शुरू किया है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय हो रही है, और भविष्य में वे अपने व्यवसाय को और विस्तार देना चाहती हैं। रिंगो कश्यप जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से दूरस्थ क्षेत्रों में विकास को नई दिशा मिल रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी एक नई पहचान भी स्थापित कर रही हैं।

एनडीडीबी डेयरी समग्र विकास योजना से महिला हितग्राही बनी आत्मनिर्भर

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जशपुर जिले में गौपालकों को विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की डेयरी समग्र विकास योजना के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिला हितग्राहियों को उन्नत नस्ल की दो गायें उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसी क्रम में कुनकुरी विकासखंड के सेन्द्रिमुण्डा निवासी श्रीमती सरोजनी एक्का को एक साहीवाल नस्ल की गाय प्रदान की गई है। इकाई लागत 1 लाख 40 हजार रुपये पर 50 प्रतिशत अनुदान स्वीकृत किया गया है। साथ ही प्रतिदिन प्रति पशु 2 किलोग्राम पशु आहार, 5 किलोग्राम साइलेज एवं 50 ग्राम मिनरल मिश्रण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा एक वर्ष का निःशुल्क बीमा भी दिया गया है। विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन नियमित रूप से किया जा रहा है। प्रतिदिन लगभग 10 लीटर दूध उत्पादन हो रहा है, जिसे मिल्क पुलिंग पॉइंट से 43-45 रुपये प्रति लीटर मूल्य मिल रहा है। इससे हितग्राही को अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

धमतरी में ध्रुव गोंड समाज का 70वां महाधिवेशन सम्पन्न, मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए

धमतरी।

धमतरी जिले की नगरी तहसील अंतर्गत सिहावा- ग्राम गट्टासिल्ली में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज का 70वां वार्षिक महासभा एवं महाधिवेशन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में समाज के पदाधिकारियों, युवाओं एवं बड़ी संख्या में सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए और समाज को संबोधित किया।

महाधिवेशन में आदिवासी ध्रुव गोंड समाज नगरी के अध्यक्ष सुरेन्द्र ध्रुव, महासचिव नरेश छेदैया, कोषाध्यक्ष सुरेश ध्रुव, गट्टासिल्ली के अध्यक्ष सियाराम नेताम, युवा प्रभाग के अध्यक्ष संजय मरकाम सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने उदबोधन में कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित न हो पाने पर खेद व्यक्त किया तथा शीघ्र ही समाज के बीच आने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महाधिवेशन समाज की एकता, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर संवाद, विचार-विमर्श और आपसी समन्वय को बढ़ावा देते हैं, जिससे समाज के साथ-साथ प्रदेश और देश के समग्र विकास को गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में किसानों के हित में 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की गई है तथा प्रदेश के 25 लाख 24 हजार किसानों को धान के अंतर की लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित की गयी ।जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिला । उन्होंने यह भी बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक में वृद्धि की गई है, जिससे वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की आय में बढ़ोतरी हुई है। साथ ही चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ कर वनवासियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री साय ने नवा रायपुर में स्थापित जनजातीय संग्रहालय का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह संग्रहालय जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और विरासत का सजीव प्रतिबिंब है। इसका लोकार्पण प्रधानमंत्री द्वारा किया गया है।

ममता सरकार की विदा का मन बना चुकी है जनता : रेखा गुप्ता

रानीगंज/कोलकाता (एजेंसी)।

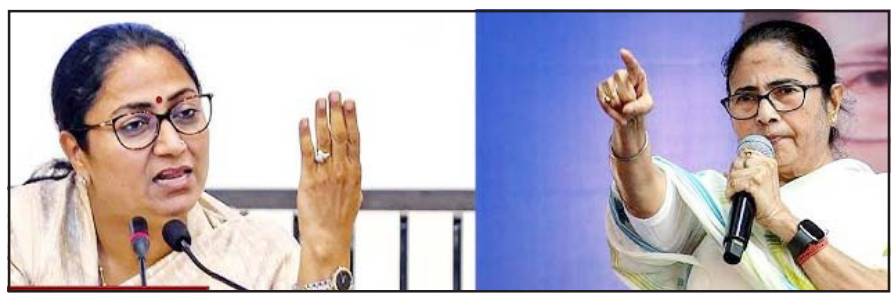

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल के रानीगंज और गलसी विधानसभा क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब 'ममता दीदी' के भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण और गुंडाराज को विदा करने का मन बना चुकी है। रानीगंज और गलसी की जनसभाओं में उमड़े जनसैलाब ने यह साफ संदेश दिया है। मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जिस बंगाल ने देश को राष्ट्रगान और वन्दे मातरम् दिया, आज उसे 'कटमनी' और 'सिंडिकेट' के हवाले कर दिया गया है। यह लड़ाई केवल चुनाव जीतने की नहीं है बल्कि यह बंगाल की खोई हुई गरिमा को बहाल करने और 'सोनार बांग्ला' के संकल्प को सिद्ध करने का धर्मयुद्ध है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व की वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि योग्य युवाओं को रोजगार के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है, जबकि भ्रष्ट तंत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। ममता बनर्जी की सरकार ने 'माँ, माटी, मानुष' का नारा दिया था, लेकिन आज बंगाल में न मां सुरक्षित है, न माटी माफियाओं से मुक्त है और न ही मानुष को उसका अधिकार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने रानीगंज क्षेत्र में कोयला खदानों पर माफिया के वर्चस्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि मेहनतकश मजदूरों की कमाई पर कब्जा करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आवश्यक है। वहीं, गलसी विधानसभा में उन्होंने विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने का रोडमैप प्रस्तुत किया और कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हर क्षेत्र में संतुलित और तेज विकास सुनिश्चित किया जाएगा। रानीगंज में मुख्यमंत्री ने स्थानीय महिलाओं के साथ संवाद करते हुए उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को जाना। अखिल महिला मारवाड़ी समाज, गरिमा लेडीज विंग (लायंस क्लब) और महिला युवा मोर्चा की महिलाओं ने क्षेत्र में बढ़ते अपराध, असुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दों को सामने रखा। उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर ममता सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के होते हुए भी यदि बंगाल की बेटियां खौफ के साये में जी रही हैं तो यह सरकार को सत्ता में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने महिला सुरक्षा के मुद्दे पर आश्वस्त करते हुए कहा कि कोई भी संवेदनशील सरकार महिलाओं की सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकती। भाजपा सरकार बनने पर हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की गारंटी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों जनसभाओं में उमड़ी भीड़ इस बात का प्रमाण है कि पश्चिम बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति का अंत होगा, विकास और सुशासन की नई शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने जनता से आह्वान किया कि वे अपने मताधिकार का उपयोग कर इस परिवर्तन का हिस्सा बनें और राज्य में एक मजबूत, विकासोन्मुख सरकार बनाने में योगदान दें।

35 साल से फरार आरोपी अरेस्ट, 1991 में हत्या की घटना को दिया था अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहते हैं कानून के हाथ लंबे होते हैं, देर से ही सही अपराधी की गर्दन तक पहुंच ही जाते हैं. ऐसा ही कुछ साबित कर दिया है कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने. जहां 35 साल से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, आरोपी 1991 से फरार चल रहा है.

ये 35 साल पुराने सनसनीखेज हत्या के मामले में बड़ी कार्रवाई है. आरोपी की पहचान छवि लाल वर्मा के रूप में हुई है, जो वारदात के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बचता रहा.

पुलिस के मुताबिक, 2 अगस्त 1991 को त्रिलोकपुरी थाना क्षेत्र के वेस्ट विनोद नगर में एक महिला की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि उसके बेटे पर भी जानलेवा हमला किया गया था. घायल बेटे को इलाज के बाद बचा लिया गया था, लेकिन महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया. जांच में सामने आया था कि आरोपी उसी मकान में किरायेदार के रूप में रहता था और लूट के इरादे से उसने वारदात को अंजाम दिया था.

घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था और साल 1996 में उसे अपराधी घोषित कर दिया गया. मामले की जांच क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को सौंपी गई, जिसने पिछले छह महीनों से लगातार तकनीकी सर्विलांस और फील्ड इनपुट के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की. आखिरकार पुलिस को आरोपी की लोकेशन पंजाब के लुधियाना में मिली. टीम ने वहां छापेमारी कर 10 अप्रैल 2026 को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसे अपनी मकान मालकिन के पास पैसे होने का शक था, जिसके चलते उसने लूट के इरादे से हमला किया था. डीसीपी आदित्य गौतम ने बताया कि आरोपी पिछले 35 वर्षों से देश के अलग-अलग शहरों में छिपकर रह रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी पहचान बदलता रहा. फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

4 मई के बाद बंगाल में आने वाला है बड़ा बदलाव : पीएम मोदी

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्द्धमान, मुर्शिदाबाद व दक्षिण दिनाजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभाओं को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस बार मेरी चुनावी रैलियों में आम लोगों की भीड़ और जन उत्साह का ऐसा नजारा पहले कभी मेरे गृह राज्य गुजरात में भी नहीं देखा गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, गुजरात में भी, मैं चाहकर भी दोपहर 12 बजे इस तरह की रैली आयोजित नहीं कर सकता था। आप लोग यहां हर बार शानदार सभाएं आयोजित करते हैं। मैं प्रभावित हूं। यहां से यह स्पष्ट है कि 4 मई के बाद इस राज्य में बदलाव आने वाला है। इस तरह की उत्साहपूर्ण सभाएं 4 मई को होने वाले घटनाक्रम का संकेत हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो नई सरकार एक श्वेत पत्र जारी करेगी जिसमें राज्य में तृणमूल कांग्रेस के पिछले 15 वर्षों के शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार के मामलों का विस्तृत विवरण होगा।

पीएम मोदी ने कहा, तृणमूल कांग्रेस पहले से ही घबराई हुई है। इसीलिए वे प्रचार कर रहे हैं कि भाजपा के सत्ता में आने पर राज्य की सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। मैं गारंटी देता हूं कि एक भी कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जाएगी। केवल तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के भ्रष्टाचार और लूट के अड्डे बंद किए जाएंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने यह भी घोषणा की कि यदि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो नए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गठित पहला मंत्रिमंडल राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की अनुमति देने वाला प्रस्ताव पारित करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, यहां तृणमूल कांग्रेस सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को लागू न होने देकर लंबे समय तक राज्य के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखा लेकिन भाजपा सरकार के आने से इस सुविधा का भी लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि नई भाजपा सरकार न केवल घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी बल्कि उन लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी जिन्होंने उनके लिए फर्जी पहचान पत्र बनवाकर उन्हें पश्चिम बंगाल में बसने में मदद की थी।

विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होंगे और परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे। वहीं दिनाजपुर के कुशमंडी में प्रधानमंत्री मोदी ने 13 दिसंबर को युवा भारती क्रीड़ांगन में हुई अफरा-तफरी पर निशाना साधा। यह आरोप लगाते हुए कि तृणमूल राज में बंगाल में सिंडिकेट राज विकास का असल मॉडल बन गया है, प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि टीएमसी नेताओं और मंत्रियों ने फुटबॉल के खेल को भी इस सिंडिकेट कल्चर का विषय बना दिया है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि उस दिन युवा भारती में हुई शर्मनाक घटनाओं को पूरी दुनिया ने देखा था। उनके हिसाब से, यह तृणमूल के जंगल राज का एक और साफ उदाहरण है।

भाजपा सत्ता में आई तो सिंडिकेट चलाने वालों को उल्टा लटका देंगे: अमित शाह

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में सियासी संग्राम जम गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा व खड़गपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगाल में अवैध रूप से रहने वालों को अगर कोई हटा सकता है, तो वह सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ही है।

अमित शाह ने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने के बाद सभी अवैध लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा। शाह ने कहा कि भाजपा को सत्ता में लाओ, हम सिंडिकेट चलाने वालों को उल्टा लटका देंगे। केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी की तुलना हीरक की रानी से करते हुए कहा कि इस रानी को 23 तारीख को हटाना जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल से ओडिशा और झारखंड में आलू की सप्लाई बंद कर दी गई है। अगर भाजपा सत्ता में आई, तो यह सप्लाई फिर से शुरू होगी। ममता बनर्जी के इस फैसले के कारण 20 रुपए का आलू 2 रुपए में बिक रहा है। अमित शाह ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा बंगाल के विकास के लिए भेजे गए फंड को टीएमसी के सिंडिकेट ने हड़प लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार आने पर टीएमसी को हर एक पैसे का हिसाब देना होगा। आदिवासी समुदाय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में संथाल समाज को कभी सम्मान नहीं मिला, लेकिन भाजपा सरकार में इसी समुदाय की एक महिला को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। अमित शाह ने आरोप लगाया कि जब राष्ट्रपति बंगाल आईं, तो उनका अपमान किया गया।

अमित शाह ने घोषणा की कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य का मुख्यमंत्री एक बंगाली नेता ही होगा। साथ ही उन्होंने बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए देने का वादा भी किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि भाजपा सत्ता में आने पर यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करेगी, जिससे हिंदू और मुस्लिम दोनों के लिए एक समान कानून होगा। ममता बनर्जी के उस बयान पर भी उन्होंने निशाना साधा, जिसमें उन्होंने लड़कियों को शाम 7 बजे के बाद बाहर न निकलने की सलाह दी थी। अमित शाह ने कहा, अगर भाजपा सत्ता में आई, तो बेटियां रात 1 बजे भी सुरक्षित घूम सकेंगी। गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी के शासन में 7,000 फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं, लेकिन भाजपा सत्ता में आने पर उन्हें फिर से शुरू किया जाएगा और रविंद्रनाथ टैगोर के सोनार बांग्ला का सपना साकार किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु के गृह सचिव व डीजीपी का किया तबादला

चेन्नई (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु के गृह सचिव धीरज कुमार के ट्रांसफर का आदेश दिया है. मणिवासन को नया गृह सचिव नियुक्त किया गया है. वहीं संदीप मित्तल को नया डीजीपी बनाया गया है. तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होने हैं. इसके बाद, 4 मई को मतगणना होगी और नतीजे घोषित किए जाएंगे. चुनाव पास आने के साथ ही दक्षिणी राज्य में प्रचार जोरों पर है.

चुनाव सही और निष्पक्ष तरीके से हों, यह पक्का करने के लिए एक मानक प्रक्रिया के तौर पर, जो सरकारी अधिकारी लंबे समय से एक ही पोस्ट पर काम कर रहे हैं, उनका अक्सर ट्रांसफर कर दिया जाता है. राज्य में विपक्षी पार्टियों ने भी भारत निर्वाचन आयोग से मिलकर आरोप लगाया है कि कुछ भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस अधिकारी सरकार के पक्ष में काम कर रहे हैं, और उनके ट्रांसफर की मांग की है.

इसके बाद, महत्वपूर्ण पदों पर बैठे कई पुलिस अधिकारियों का पहले ही ट्रांसफर कर दिया गया है. हाल ही में, भारत निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के प्रभारी डीजीपी वेंकटरमन के ट्रांसफर का आदेश दिया. संदीप मित्तल को तमिलनाडु का पुलिस महानिदेशक (सशस्त्र पुलिस) नियुक्त किया गया है. मित्तल की यह नई नियुक्ति चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु के डीजीपी (आर्म्ड पुलिस और विजिलेंस और एंटी-करप्शन) के तौर पर नियुक्ति किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ है. इसके अलावा, एंटी-करप्शन ब्यूरो के डीजीपी डेविडसन देवसिरवथम

को उनके पद से हटा दिया गया और उनकी जगह संदीप मित्तल को लाया गया. इसके अलावा, मुख्य सचिव मुरुगनंदम का ट्रांसफर कर दिया गया है और साई कुमार को तमिलनाडु सरकार का नया मुख्य सचिव बनाया गया है. कल चेन्नई सिटी पुलिस कमिश्नर अरुण का ट्रांसफर कर दिया गया. अभिन दिनेश मोदक को ग्रेटर चेन्नई पुलिस का नया कमिश्नर बनाया गया.

इस संदर्भ में, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के बाद, चुनाव आयोग ने गृह सचिव धीरज कुमार के तबादले का आदेश दिया. आयोग ने मणिवासन को तमिलनाडु का नया गृह सचिव नियुक्त करने का भी आदेश दिया. चुनाव आयोग ने कहा है कि यह आदेश तुरंत लागू होगा. आदेश में यह भी बताया गया है कि ट्रांसफर किए गए अधिकारी को मतदान प्रक्रिया पूरा होने तक चुनाव से जुड़े किसी दूसरे पद पर नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए.

वाटरफॉल पर एक छोटी सी गलती और पलक झपकते ही पानी में समा गईं 3 लड़कियां, रूह कंपा देगा मंजर

आल्लूरी सीतारामाराजू (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के आल्लूरी सीतारामाराजू जिले से एक बेहद दर्दनाक और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। त्योहार की छुट्टियों का जश्न उस वक्त मातम में बदल गया, जब मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर मौज-मस्ती करने गईं तीन किशोरियों की डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह खौफनाक हादसा महज एक सेल्फी लेने के चक्कर में हुआ। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सोशल मीडिया पर अच्छी तस्वीरों और रोमांच की चाहत कैसे पल भर में हंसती-खेलती जिंदगियां छीन सकती है।

जानकारी के मुताबिक, यह दिल दहला देने वाला हादसा हुकुमपेटा मंडल के बुरजा पंचायत के पास स्थित मुल्लुंगुम्मी वाटरफॉल पर हुआ। जांबावलासा गांव की रहने वाली पांच लड़कियां त्योहार की छुट्टियों के दौरान इस वाटरफॉल पर घूमने आई थीं। पुलिस के मुताबिक, ये लड़कियां वाटरफॉल के पास खड़ी होकर तस्वीरें और सेल्फी वीडियो ले रही थीं। इसी दौरान कुछ अलग करने की चाहत में उनमें से तीन लड़कियां एक बड़े पत्थर पर चढ़ गईं। तभी अचानक पैर फिसला और संतुलन बिगड़ने से तीनों पानी की तेज धार में गिर गईं। आसपास मौजूद लोग जब तक उन्हें बचाने के लिए दौड़ते, तब तक पानी का तेज बहाव उन्हें अपने साथ काफी दूर ले जा चुका था।

हादसे के बाद प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों लड़कियों के शव बरामद कर लिए। मृतकों की पहचान 17 वर्षीय ट्रिशा, 16 वर्षीय रत्ना कुमारी और 16 वर्षीय पवित्रा के रूप में हुई है, जबकि उनके साथ गई अन्य दो लड़कियां सुरक्षित बच गई हैं। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद से पूरे जांबावलासा गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस दर्दनाक घटना ने आल्लूरी सीतारामाराजू जिले के पर्यटन स्थलों और वॉटरफॉल्स की सुरक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि इस इलाके में पहले भी ऐसी जानलेवा घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि कई बार चेतावनी देने के बावजूद पर्यटक जानबूझकर उसे नजरअंदाज कर देते हैं और खतरनाक जगहों पर जाकर फोटो या वीडियो बनाने का जोखिम उठाते हैं। वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी के घर ईडी का छापा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिर उनके आवास पर छापा मारा है। बताया जा रहा है कि घोटाले में जमानत मिलने के बाद ईडी ने चटर्जी को कई बार समन भेजा था, लेकिन वे कथित तौर पर पेश नहीं हुए। इसके बाद ईडी ने ये छापेमार कार्रवाई की है।

सुबह ईडी की जांच टीम चटर्जी के नकटाला स्थित घर पहुंची। उनके साथ बड़ी संख्या में केंद्रीय एजेंसियों का सुरक्षाबल भी था। कुछ रिपोर्ट में कहा गया है कि ईडी पार्थ से पूछताछ करना चाहती थी और पार्थ ने उन्हें खुद घर आने को कहा था। वहीं, ईडी की एक टीम प्रसन्ना रॉय के न्यू टाउन स्थित कार्यालय भी पहुंची है। प्रसन्ना भर्ती मामले में आरोपी बिचौलियों में से एक है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती की थी। इन भर्तियों में अनियमितता, भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे और इसकी शिकायतें कलकत्ता हाई कोर्ट को मिली थी। इसके बाद हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को जांच के आदेश दिए। सीबीआई ने राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री चटर्जी, उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी और कुछ अन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया था।

संसद में प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच बातचीत, हाथ जोड़ हाल-चाल पूछा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 राज्यों में चुनावी घमासान के बीच कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं, लेकिन संसद के गलियारे से बेहद खास तस्वीर सामने आई है। संसद में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अचानक आमने-सामने आ गए। इस दौरान राहुल ने हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री ने भी हाथ जोड़कर उनके अभिवादन को स्वीकार किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच देर तक बातचीत होती रही।

दरअसल, प्रधानमंत्री महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने प्रेरणा स्थल जा रहे थे। इस दौरान वे कार से उतरे तो वहां राहुल भी खड़े हुए थे। उनके साथ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व राज्यसभा उपसभापति हरिवंश सहित कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इसके बाद प्रधानमंत्री ने राहुल से कुछ देर रुककर बातचीत की। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के करीब खड़े होकर गंभीरता से बातचीत की।

मथुरा नाव हादसा: मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 11 हुआ, 4 अब भी लापता

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बीते दिन हुए नाव हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 11 हो गया है। वहीं, 4 लोग अब भी लापता है, जिनकी तलाश में बचाव दल जुटे हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 22 लोगों को बचाया गया है और डूबी हुई नाव को भी बाहर निकाल लिया गया है। हादसे के बाद फरार हुए नाव मालिक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हादसा के कई घंटों बाद भी 4 लोग लापता हैं। इनकी तलाश में 200 से ज्यादा गोताखोर जुटे हुए हैं। कल शाम से ही सेना भी बचाव अभियान में शामिल है। अधिकारियों का कहना है कि यमुना नदी का बहाव तेज होने की वजह से लोगों के दूर तक बहने की आशंका है। बचाव टीम के सदस्य 15 किलोमीटर तक के दायरे में लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। हादसे के पीछे कई लापरवाहियां सामने आई हैं। नाव में क्षमता से ज्यादा लोग सवार थे और किसी ने भी लाइफ जैकेट नहीं पहना था। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाव मालिक आए दिन नाव में क्षमता से ज्यादा सवारी बैठाते हैं, जिस पर प्रशासन ध्यान नहीं देता।

गाजीपुर में शराब पीने के दौरान विवाद में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर थाना क्षेत्र स्थिर गाजीपुर मुर्गा मंडी इलाके में एक मजदूर की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. मामूली विवाद के दौरान शराब के नशे में हुए झगड़े ने इतना उग्र रूप ले लिया कि एक युवक की जान चली गई. पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

पूर्वी दिल्ली के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि 9 अप्रैल की सुबह करीब 5:20 बजे एलबीएस अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि रंजीत कुमार पंडित (34), निवासी जिला गोड्डा, झारखंड को मृत अवस्था में लाया गया है. जांच में सामने आया कि घायल अवस्था में उसे उसके सहकर्मी अस्पताल लेकर पहुंचा था. पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया तो अहलूवालिया कंस्ट्रक्शन साइट, मुर्गा मंडी स्थित कमरे में खून के निशान मिले. शुरुआती जांच में कोई प्रत्यक्षदर्शी सामने नहीं आया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू समेत अन्य के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने रेलवे टेंडर घोटाला के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है. फैसला स्पेशल जज विशाल गोगने के उपलब्ध नहीं होने की वजह से टाला गया. मामले पर फैसला 16 अप्रैल को सुनाया जाएगा.

कोर्ट ने 13 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था. 28 जनवरी 2019 को कोर्ट ने ईडी की ओर से दर्ज केस में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को भी नियमित जमानत दी थी. कोर्ट ने एक-एक लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी थी. 19 जनवरी 2019 को कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दर्ज केस में लालू यादव को नियमित जमानत दी थी. कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को रेलवे टेंडर घोटाले के सीबीआई से जुड़े मामले में लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था.

कोर्ट ने 17 सितंबर 2018 को ईडी की ओर से दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था. इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी समेत 16 लोगों को आरोपी बनाया गया है. ईडी ने जिन्हें आरोपी बनाया है उनमें लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट एलएलपी, सरला गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, गौरव गुप्ता, नाथ मल ककरानिया, राहुल यादव, विजय त्रिपाठी, देवकी नंदन तुलस्यान, मेसर्स सुजाता होटल, विनय कोचर, विजय कोचर, राजीव कुमार रेलान और मेसर्स अभिषेक फाइनेंस प्राईवेट लिमिटेड शामिल हैं. लालू यादव पर आरोप है कि उन्होंने रेलमंत्री रहते हुए रेलवे के दो होटलों को आईआरसीटीसी को ट्रांसफर किया और होटलों की देखभाल के लिए टेंडर जारी किये थे. रांची और पुरी के दो होटलों का आवंटन कोचर बंधु की कंपनी सुजाता होटल को ट्रांसफर कर दिया था.

पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज का चौंकाने वाला दावा

'वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए खेलेंगे तो अभिषेक शर्मा को सब भूल जाएंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी की मुरीद अब पूरी दुनिया हो चुकी है। अब वैभव को लेकर हर कोई बात करता नजर आता है और 15 साल के इस बैटर की प्रतिभा देखकर सब दंग हैं और उनकी तारीफ हर कोई कर रहा है। इसी फेहरिस्त में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज तनवीर अहमद भी जुड़ गए हैं जिन्होंने दावा कर दिया कि जब राजस्थान रॉयल्स का यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए खेलना शुरू करेगा तो लोग अभिषेक शर्मा की धमाकेदार बल्लेबाी को भूल जाएंगे।

वैभव जिस तरह से खेल रहे हैं उसके बाद कई पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने लगातार इस बात का समर्थन किया है कि उन्हें भारतीय सीनियर पुरुष टीम में शामिल किया जाना चाहिए। अब उन्हें दुनिया भर के क्रिकेटरों से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। हालांकि भारतीय टी20 टीम के ओपनर अभिषेक शर्मा को हाल के दिनों में काफी संघर्ष करना पड़ा है। उन्हें न सिर्फ अपनी बल्लेबाजी की लय पाने में मुश्किल हुई है बल्कि उनकी फॉर्म भी बिगड़ी है।

तनवीर ने पाकिस्तान के एक टीवी शो पर बात करते हुए कहा कि जब वैभव भारत के लिए खेलेंगे तो लोग अभिषेक शर्मा को भूल जाएंगे और जब दोनों एक साथ बैटिंग कर रहे होंगो तो अभिषेक तो वैभव के आसपास भी नहीं टिक पाएंगे। वैभव के आने के बाद लोग अभिषेक पर ध्यान भी नहीं देंगे और सबकी नजर इस युवा बैटर पर ही होगी। । हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अगर आने वाले 10 साल की बात करें तो मैं ये नहीं कह सकता कि वैभव का प्रदर्शन इतना ही जबरदस्त रहेगा या नहीं। मैं बस अभी की बात कर रहा हूं क्योंकि जिस तरह का उनका फॉर्म है ऐसा ही होगा।

आपको बता दें कि वैभव राजस्थान रॉयल्स के साथ साल 2025 में जुड़े थे इस इस फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1.10 करोड़ में खरीदा था। वैभव का प्रदर्शन पिछले एक साल से कमाल का हो रहा है और उन्होंने इस सीजन में अब तक खेले 4 मैचों में 200 रन अपनी टीम के लिए बनाए हैं जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल है। वहीं आईपीएल में उन्होंने अब तक 11 मैच खेले हैं जिसमें एक शतक के साथ उन्होंने 452 रन बनाए हैं।

आईपीएल के हर सीजन के पहले शतक

सैमसन ने 4 सैकड़े ठोके, मैकुलम–युसुफ पठान के नाम भी बड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रेंडन मैकुलम के नाम आईपीएल के किसी सीजन के पहले मैच में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड है। युसुफ पठान का सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट रहा है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का पहला शतक चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने लगाया। सैमसन ने शनिवार (11 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 56 गेंद पर 115 रनों की पारी खेली। वह चार बार आईपीएल के किसी सीजन में पहला शतक लगा चुके हैं। संजू ने तीन टीमों राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए शतक लगाए हैं। वह एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने एक ही फ्रेंचाइजी के लिए 2 बार आईपीएल सीजन का पहला शतक लगाया है।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर ब्रेंडन मैकुलम के नाम आईपीएल के किसी सीजन के पहले मैच में सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड है। युसुफ पठान का सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट रहा है। आईपीएल 2026 में पहला शतक 18वें मैच में लगा। आईपीएल 2008 यानी पहले सीजन में पहले ही मैच में शतक लग गया था। आईपीएल 2025 में दूसरे मैच में शतक लगा था। आईपीएल 2014 में 41वें मैच में शतक लगा था। 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से ब्रेंडन मैकुलम, युसुफ पठान, क्विंटन डिकॉक और संजू सैमसन ने शतक लगाए हैं। आठ टीमों राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों ने शतक लगाए हैं।

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के जेमी ओवर्टन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर 4 विकेट झटके।

मैच नहीं खेले नितीश राणा, लेकिन फिर भी कट गई 25 प्रतिशत मैच फीस, ऋतुराज पर भी जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी नितीश राणा और चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना लगा। खराब प्रदर्शन के बाद राणा को दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के लिए प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया था। वह इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प के हिस्सा थे। उन पर अंपायर के साथ अभद्र व्यवहार के कारण कार्रवाई हुई। ऋतुराज पर स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लगा।

आईपीएल ने नितीश राणा पर जुर्माना लगाते हुए बताया, 'दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नितीश राणा पर आईपीएल के प्लेयर्स कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया गया है और 1 डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। राणा को आईपीएस के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो 'मैच के दौरान अभद्र भाषा' से जुड़ा है। यह घटना 19वें ओवर में हुई जब राणा की चौथे अंपायर से लंबी बहस हुई। राणा ने गलती मान ली और मैच रेफरी की सजा स्वीकार ली।' आईपीएल ने ऋतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना लगाते हुए कहा, 'चेन्नई सुपर किंग्स के कैप्टन ऋतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना लगाया गया है क्योंकि उनकी टीम ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर 18 के दौरान धीमी ओवर-रेट से गेंदाबजी की। यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत इस सीजन में उनकी टीम का पहला उल्लंघन था।

सीएसके-दिल्ली मैच के बाद अंक-तालिका

आईपीएल 2026 के 18वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर अंकतालिका में अपना खाता खोला। वहीं ऑरेंज कैप लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी अभी भी टॉप पर बने रहे। गेंदबाजों की लिस्ट में अंशुल कम्बोज अब बिश्नोई के लिए खतरा बने।

वैभव नंबर 1, रोहित-आयुष भी लिस्ट में

आईपीएल में 11 पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले टॉप-6 भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्थान रॉयल्स के युवा बैटर वैभव के खेल में दिन-ब-दिन निखार आता जा रहा है और वो अपने हर मैच के साथ ज्यादा मैच्योर होते जा रहे हैं। वैभव क्रीज पर आक्रामक और धैर्यशील दोनों की नजर आते हैं। वो कमजोर गेंद को हिट करते हैं तो वहीं जिस गेंद को सम्मान देना होता है उसे वो सम्मान देते हैं। वैभव इस लीग में अब तक कुल 11 मैच खेल चुके हैं, लेकिन इन मैचों की 11 पारियों में वो सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (छक्के व चौके मिलाकर) लगाने वाले खिलाड़ी भी बन चुके हैं।

वैभव ने इंडियन प्रीमियर लीग में अब तक खेले 11 मैचों की 11 पारियों में कुल 78 बाउंड्रीज लगाए हैं जिसमें 36 चौके और 42 छक्के शामिल हैं। अब इस लीग में 11 पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने के मामले में वो पहले स्थान पर आ चुके हैं और ये खास उपलब्धि उन्होंने इस सीजन में आरसीबी के खिलाफ खेले मैचों के दौरान ही हासिल कर लिया था जब उन्होंने इस टीम के विरुद्ध 7 छक्के और 8 चौके लगाए थे। वैभव ने इस मामले में गौतम गंभीर को पीछे छोड़ा था।

आईपीएल में 11 पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने के मामले में गंभीर इससे पहले टॉप पर थे, लेकिन वैभव अब इस पोजिशन को हासिल कर चुके हैं। गंभीर ने इस लीग की 11 पारियों के बाद कुल 66 बाउंड्रीज लगाए थे। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बैटर आयुष म्हात्रे हैं जिन्होंने 11 पारियों के बाद कुल 60 बाउंड्रीज लगाए हैं जबकि चौथे नंबर पर पंजाब किंग्स के ओपनर प्रियांश आर्या हैं जिन्होंने इतनी पारियों में कुल 59 बाउंड्रीज लगाए थे।

आईपीएल की 11 पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले टॉप-6 बल्लेबाजों में पॉल वालथाटी 5वें स्थान पर हैं जिन्होंने कुल 57 बाउंड्रीज लगाए थे जबकि रोहित शर्मा और राहुल त्रिपाठी दोनों संयुक्त रूप से इस मामले में छठे स्थान पर मौजूद हैं। रोहित ने इस लीग की 11 पारियों के बाद कुल 55 बाउंड्रीज लगाए थे जबकि राहुल त्रिपाठी ने भी इतने ही बाउंड्रीज 11 पारियों के बाद लगाए थे।

11 पारियों के बाद सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले टॉप-6 भारतीय

78: वैभव सूर्यवंशी
66: गौतम गंभीर
60: आयुष म्हात्रे
59: प्रियांश आर्य
57: पॉल वल्थाटी
55: रोहित शर्मा
55: राहुल त्रिपाठी

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3 अप्रैल को समाप्त हुए सप्ताह में 9.063 अरब डॉलर बढ़कर 697.121 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए डेटा में दी गई। इससे पहले के हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार में 10.288 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई थी। इसकी वजह एफसीए की वैल्यू में गिरावट आना था।

आरबीआई के डेटा के मुताबिक, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार के अहम घटक गोल्ड रिजर्व की वैल्यू 7.221 अरब डॉलर बढ़कर 120.742 अरब डॉलर हो गई है। विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक फॉरेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) की वैल्यू 1.784 अरब डॉलर बढ़कर 552.856 अरब डॉलर हो गई। एफसीए में डॉलर के साथ दुनिया की कई अहम मुद्राएं जैसे येन, यूरो और पाउंड होते हैं, जिनकी वैल्यू को डॉलर में दिखाया जाता है। आरबीआई के अनुसार, 3 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में एसडीआर की वैल्यू 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.707 अरब डॉलर हो गई है। वहीं, भारत की आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) में रिजर्व पॉजिशन में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 4.816 अरब डॉलर पर यथावत रही है। किसी भी देश के लिए उसका विदेशी मुद्रा भंडार काफी महत्वपूर्ण होता है, और इससे उस देश की आर्थिक स्थिति का पता लगता है।

4.05 लाख कनेक्शन पीएनजी के, एलपीजी नहीं, पेट्रोलियम मंत्रालय की सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि हालिया प्रेस ब्रीफिंग में अनजाने में यह कहा गया था कि पिछले पांच हफ्तों में 4.05 लाख नए एलपीजी कनेक्शन गैसिफाई किए गए हैं, जबकि यह आंकड़ा पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शनों से संबंधित है। मंत्रालय ने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि यह संख्या एलपीजी नहीं, बल्कि पीएनजी कनेक्शनों की है। इस त्रुटि के लिए खेद है।

मंत्रालय के अनुसार, अब तक 4.05 लाख पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए जा चुके हैं, जबकि करीब 4.41 लाख नए उपभोक्ताओं ने कनेक्शन के लिए पंजीकरण भी कराया है। इस बीच, वैश्विक राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर कमी (ड्राई-आउट) की स्थिति नहीं है।

सरकार ने उपभोक्ताओं को पीएनजी और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया है और मौजूदा परिस्थितियों में ऊर्जा बचत की अपील की है। मंत्रालय ने लोगों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने की सलाह दी है। एलपीजी उपभोक्ताओं से डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए बुकिंग करने और डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचने का अनुरोध किया गया है। ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग अब करीब 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड आधारित डिलीवरी लगभग 92 प्रतिशत हो गई है, जिससे वितरण स्तर पर गड़बड़ी रोकने में मदद मिल रही है।

सरकार ने बताया कि अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में कार्रवाई जारी है। गुरुवार को 3800 से अधिक छापेमारी में करीब 450 सिलेंडर जब्त किए गए। अब तक कुल 1.2 लाख छापे मारे गए हैं, 57,000 से ज्यादा सिलेंडर जब्त किए गए हैं, 950 से अधिक एफआईआर दर्ज हुई हैं और 229 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भी निगरानी बढ़ाते हुए 2100 से अधिक कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 204 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर पर जुर्माना लगाया गया है और 53 की डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। इसके अलावा, 18,000 से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने वेबसाइट के जरिए अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर किए हैं। मंत्रालय ने कहा कि देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है, जबकि घरेलू खपत को पूरा करने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है।

विराट कोहली ने जीता फैंस का दिल, मैच के बाद वैभव को दिया ये शानदार गिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में शानदार बल्लेबाजी से हर किसी का दिल जीत रहे हैं. हाल ही में खेले गए आरसीबी के खिलाफ मैच में भी उन्होंने 26 गेंदों पर 78 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली. जिससे उनकी टीम राजस्थान ने 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 18 ओवर में ही आसानी से चेज कर लिया.

वैभव की इस पारी से आरसीबी के स्टार बल्लेबाजी विराट कोहली भी काफी ज्यादा प्रभावित हुए. उन्होंने मैच के बाद वैभव की कैप पर ऑटोग्राफ दिया, जिसपर लिखा था, डियर वैभव, वेल डन. ये पल वैभव के लिए सबसे खास था, क्योंकि वो जिस खिलाड़ी को खेलते हुए देखकर बड़े हुए हैं और वो उसी खिलाड़ी के खिलाफ खेलकर कर उससे ऑटोग्राफ ले रहे हैं. वैभव के शानदार प्रदर्शन से सिर्फ कोहली ही नहीं बल्कि देश की बड़ी बड़ी हस्तियां भी प्रभावित हुई हैं. उन्हीं में से एक दिग्गज राजनेता शशि थरुर भी हैं.

उन्होंने एक्स पर लिखा, युवा सूर्यवंशी की जबरदस्त तरक्की को देखना सचमुच एक कमाल की बात है. 15 साल के इस अद्भुत खिलाड़ी को क्रीज पर खेलते देखना, खेल के विकास का एक बेहतरीन उदाहरण है.

सीनियर सिटीजन की हुई मौज, इस स्कीम में मिल रहा 9.2 प्रतिशत का छप्परफाड़ ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज के समय में लगातार बढ़ती महंगाई के बीच हर इंसान यही चाहता है कि उसकी गाढ़ी कमाई सुरक्षित भी रहे और उस पर तगड़ा मुनाफा भी मिले। खासकर जब बात सीनियर सिटीजन की आती है, तो निवेश का फैसला और भी सोच-समझकर लेना पड़ता है। ऐसे में फिक्स्ड डिपॉजिट को हमेशा से ही एक बेहद भरोसेमंद और सुरक्षित विकल्प माना गया है। अब बुजुर्गों के लिए एक बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आई है, जहां उन्हें अपने निवेश पर पहले से कहीं ज्यादा और आकर्षक ब्याज दर मिलने जा रही है।

हाल ही में एक वित्तीय कंपनी ने अपनी एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में शानदार बढ़ोतरी कर दी है। एक तरफ जहां आमतौर पर बैंक सीनियर सिटीजन को केवल 7 से 7.5 प्रतिशत तक का ही रिटर्न देते हैं, वहीं यह नई पेशकश 9.2 प्रतिशत तक का सालाना ब्याज देने का दावा कर रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर कोई बुजुर्ग अपनी जीवन भर की बचत को इस स्कीम में लगाता है, तो उसे पारंपरिक बैंक एफडी की तुलना में जबरदस्त फायदा मिलने वाला है। इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज दरें 8.38 प्रतिशत से शुरू होकर अधिकतम 9.2 प्रतिशत तक जाती हैं। यह ब्याज दर इस बात पर निर्भर करती है कि पैसा कितने समय के लिए जमा किया गया है। यानी निवेश की अवधि जितनी लंबी होगी, आपका रिटर्न भी उतना ही शानदार होने की संभावना है।

अगर आप सीनियर सिटीजन की श्रेणी में नहीं आते हैं, तब भी आपको निराश होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। आम निवेशकों के लिए भी यह योजना किसी शानदार मौके से कम नहीं है। इसमें आम लोगों को 7.88 प्रतिशत से लेकर 8.75 प्रतिशत तक का तगड़ा ब्याज ऑफर किया जा रहा है, जो मौजूदा समय में कई प्रमुख बैंकों की दरों से काफी बेहतर माना जा रहा है। इसी शानदार रिटर्न की वजह से यह योजना अब हर आयु वर्ग के निवेशकों को अपनी तरफ खींच रही है। इस एफडी में निवेश के लिए काफी लचीलापन भी दिया गया है। आप अपनी आर्थिक जरूरत के हिसाब से 1 साल से लेकर 5 साल तक की अवधि के लिए अपना पैसा इसमें सुरक्षित कर सकते हैं। आवेदन की प्रक्रिया को भी बहुत आसान रखा गया है। इच्छुक लोग घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं या फिर अपनी नजदीकी शाखा में जाकर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

ऑफर भले ही कितना भी आकर्षक हो, लेकिन निवेश करने से पहले कुछ अहम बातों का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। आपको बता दें कि अगर आपकी एफडी से सालाना मिलने वाला ब्याज 50,000 रुपये की सीमा को पार कर जाता है, तो उस पर टीडीएस काटा जा सकता है। हालांकि, इस स्थिति में आप फॉर्म 15H जमा करके टैक्स कटौती से बच सकते हैं, बशर्ते आप इसके लिए पात्र हों।

इसके अलावा, यदि आपको मैच्योरिटी से पहले अचानक पैसों की सख्त जरूरत पड़ती है और आप बीच में ही अपनी एफडी तुड़वाते हैं, तो उस पर कुछ पेनल्टी भी लगाई जा सकती है। इसलिए अपनी मेहनत की कमाई निवेश करने से पहले सभी नियमों और शर्तों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए। फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स भी हमेशा यही सलाह देते हैं कि अपने सारे पैसे एक ही जगह लगाने के बजाय अलग-अलग विकल्पों में बांटकर निवेश करना चाहिए, जिससे जोखिम कम होता है और रिटर्न भी संतुलित रहता है। सही जानकारी और समझदारी के साथ उठाया गया यह कदम आपके ७भविष्य को आर्थिक रूप से काफी मजबूत बना सकता है।

संपादकीय

शेयरों के दाम

बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे कंपनी के शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक- 2026 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने पर बनी सहमति स्वागतयोग्य है। आशा है, समिति बिल में मौजूद कुछ समस्याओं को दूर करने में सफल रहेगी। ऐसी ही एक समस्या शेयर बाईबैक का प्रावधान है। नए बिल के तहत कुछ श्रेणी की कंपनियां साल में दो बार बाईबैक कर सकेंगी। फिलहाल, उन्हें एक बार ऐसा करने की इजाजत मिलती है। बाईबैक ऐसा चलन है, जिससे कंपनियां बाजार में बिना अपना प्रदर्शन सुधारे अपने मूल्य में बढ़ोतरी कर लेती हैं। ऐसा वे शेयरधारकों से अपनी ही कंपनी के शेयरों को खरीद कर करती हैं। इससे शेयरों के भाव बढ़ जाते हैं। नतीजतन कंपनी की सकल कीमत बढ़ जाती है। फिर शेयरों के बढ़ते भाव को देख कर बहुत से नए निवेशक संबंधित कंपनी के शेयरों में पैसा लगाते हैं।

कुल मिलाकर यह एक तरह का स्टॉक हेरफेर है, जिससे कंपनियां अपना मूल्य बढ़ाती हैं। अर्थव्यवस्था के अधिक से अधिक होते गए वित्तीयकरण के साथ ऐसे चलन बढ़ते चले गए हैं। अब आम समझ बनी है कि वास्तविक अर्थव्यवस्था के हित में ऐसी प्रवृत्तियों को नियंत्रित करने की जरूरत है। मगर भारत सरकार अपने देश की कंपनियों के लिए बाईबैक के अवसर दोगुना करने जा रही है। संसदीय समिति को इस पर अवश्य गंभीरता से विचार करना चाहिए। सरकार ने कंपनी ऐक्ट 2013 और एलएलपी ऐक्ट 2008 में संशोधन के लिए जो नया बिल पेश किया है, उसमें एक प्रावधान कंपनियों पर से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) का बोझ घटाने से संबंधित है। उसके तहत 10 करोड़ रुपये सालाना मुनाफा कमाने वाली कंपनी पर ही सीएसआर का प्रावधान लागू होगा। फिलहाल 1000 करोड़ रुपये टर्नओवर या कुल मूल्य 500 करोड़ रुपये अथवा पांच करोड़ रुपये सालाना मुनाफा वाली कंपनी को मुनाफे का दो फीसदी सीएसआर पर खर्च करना होता है। सीएसआर आरंभ से विवादास्पद प्रावधान रहा है। इसलिए उचित होता कि सरकार इस कॉन्सेप्ट पर ही पुनर्विचार करती। संसदीय समिति को सोचना चाहिए कि क्या यह उचित नहीं होगा कि समाज कल्याण की जिम्मेदारी कंपनी पर डालने के बजाय निर्वाचित सरकार वो रकम टैक्स के रूप में लेकर जन कल्याण करे?

अमेरिका के लिए ईरान से अहम ये छोटा देश

शांतिवार्ता छोड़ जहां प्रचार करने पहुंचे वेंस, इस चुनाव पर रूस-ईयू दोनों की नजर

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वांस का हंगरी दौरा ऐसे समय पर हुआ है जब वहां का आगामी आम चुनाव पूरे यूरोप और वैश्विक राजनीति के लिए बेहद निर्णायक माना जा रहा है। यह दौरा केवल एक औपचारिक राजनयिक यात्रा नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक और वैचारिक रणनीति भी देखी जा रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक लंबे समय से हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बान को यूरोप में अपनी विचारधारा का सबसे मजबूत चेहरा मानते रहे हैं। ऑर्बान की राजनीति राष्ट्रवाद, सख्त इमीग्रेशन नीति, पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों और मजबूत नेतृत्व की छवि पर आधारित रही है, जो ट्रंप की विचारधारा से काफी मेल खाती है। यही कारण है कि ट्रंप समर्थक धड़ा चाहता है कि ऑर्बान फिर से सत्ता में लौटें और यूरोप में राष्ट्रवादी राजनीति को मजबूती मिले।

विक्टर ऑर्बान 2010 से लगातार सत्ता में हैं और उन्होंने पिछले डेढ़ दशक में हंगरी की राजनीति, प्रशासन और संस्थाओं पर मजबूत पकड़ बना ली है। समर्थक उन्हें एक मजबूत और निर्णायक नेता मानते हैं, जबकि आलोचक उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, मीडिया पर नियंत्रण बढ़ाने और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सीमित करने जैसे गंभीर आरोप लगाते रहे हैं। यही वजह है कि यूरोपीय संघ और हंगरी के बीच पिछले कुछ वर्षों में लगातार तनाव बना रहा है। यूरोपीय संघ ने कानून के शासन और लोकतांत्रिक मानकों को लेकर चिंता जताते हुए हंगरी की अरबों यूरो की फंडिंग रोक दी थी। यह आर्थिक दबाव हंगरी की अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है और आने वाले चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा बन चुका है।

इस चुनाव में ऑर्बान के सामने सबसे बड़ी चुनौती पीटर माज्यार के रूप में उभरी है, जो कभी उनके करीबी सहयोगी माने जाते थे लेकिन अब उनके सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं। माज्यार भ्रष्टाचार, पारदर्शिता और यूरोपीय संघ के साथ बेहतर संबंधों के मुद्दे पर जनता का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी रणनीति है कि हंगरी को यूरोपीय मुख्यधारा में वापस लाया जाए और रुकी हुई आर्थिक सहायता फिर से शुरू कराई जाए। अगर माज्यार जीतते हैं, तो हंगरी और यूरोपीय संघ के संबंधों में नई गर्माहट आ सकती है, जिससे हंगरी की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिल सकता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी यह चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। हंगरी नाटो और यूरोपीय संघ दोनों का सदस्य होने के बावजूद ऑर्बान के नेतृत्व में रूस के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाता रहा है। उन्होंने कई बार रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने और यूक्रेन को सैन्य सहायता देने से जुड़े यूरोपीय फैसलों में देरी या विरोध किया है। इससे पश्चिमी देशों में असंतोष पैदा हुआ है। यदि सत्ता परिवर्तन होता है और नई सरकार पूरी तरह पश्चिम समर्थक रुख अपनाती है, तो रूस के लिए यह एक बड़ा कूटनीतिक झटका होगा और यूरोप की सामूहिक सुरक्षा नीति अधिक मजबूत हो सकती है।

रूस भी चाहता है कि ऑर्बान सत्ता में बने रहें, क्योंकि वे यूरोप के भीतर रूस के लिए एक संतुलनकारी सहयोगी की तरह काम करते हैं। रूस के लिए यह महत्वपूर्ण है कि यूरोप के भीतर कोई ऐसा देश हो जो प्रतिबंधों और सैन्य मदद जैसे मुद्दों पर पूरी तरह पश्चिमी लाइन का समर्थन न करे। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी चाहते हैं कि हंगरी पूरी तरह पश्चिमी गठबंधन के साथ खड़ा हो। इस तरह हंगरी का चुनाव अमेरिका और रूस के बीच प्रभाव की एक बड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है।

चीन का भी अप्रत्यक्ष रूप से इस पूरे परिदृश्य में उल्लेख होता है, क्योंकि हंगरी ने हाल के वर्षों में चीन के साथ निवेश और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई समझौते किए हैं। यदि ऑर्बान सत्ता में बने रहते हैं, तो हंगरी पूर्व और पश्चिम के बीच संतुलन की नीति जारी रख सकता है। लेकिन सत्ता परिवर्तन होने पर यह संतुलन पूरी तरह पश्चिम की ओर झुक सकता है।

चुनाव से पहले जासूसी, लीक और गैस पाइपलाइन के पास हुए विस्फोट जैसी घटनाओं ने राजनीतिक माहौल को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। सरकार और विपक्ष एक-दूसरे पर साजिश के आरोप लगा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर चुनाव के परिणाम विवादित होते हैं या सत्ता परिवर्तन के बाद राजनीतिक टकराव बढ़ता है, तो हंगरी में बड़ा राजनीतिक संकट भी पैदा हो सकता है।

विक्टर ऑर्बान पिछले 16 वर्षों में कभी चुनाव नहीं हारे हैं। इसलिए यदि इस बार उन्हें हार का सामना करना पड़ता है और वे सत्ता छोड़ने में देरी करते हैं या विवाद खड़ा होता है, तो यह स्थिति हंगरी ही नहीं बल्कि पूरे यूरोप के लिए अस्थिरता का कारण बन सकती है। वहीं अगर वे जीत जाते हैं, तो यूरोपीय संघ और हंगरी के बीच तनाव और बढ़ सकता है।

संक्षेप में कहा जाए तो यह चुनाव केवल हंगरी की सरकार तय करने वाला चुनाव नहीं है, बल्कि यह यूरोप की एकता, रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा, यूरोपीय संघ की मजबूती और अमेरिका-रूस के बीच शक्ति संतुलन को प्रभावित करने वाला चुनाव है। परिणाम चाहे जो भी हो, इसका असर आने वाले वर्षों में यूरोप की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

महात्मा ज्योतिराव फुले : भारत के दिव्य पथ-प्रदर्शक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

11 अप्रैल को भारत के महान समाज सुधारकों में से एक और पीढ़ियों को दिशा दिखाने वाले महात्मा ज्योतिराव फुले की जन्म-जयंती मनाई गई। इस वर्ष यह अवसर और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनके 200वें जयंती वर्ष का शुभारंभ भी हो रहा है।

महान समाज सुधारक महात्मा फुले का जीवन नैतिक साहस, आत्म चिंतन और समाज के हित के लिए अटूट समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। महात्मा फुले को केवल उनकी संस्थाओं या आंदोलनों के लिए ही याद नहीं किया जाता, बल्कि उन्होंने लोगों के मन में जो आशा और आत्मविश्वास जगाया, उसका व्यापक प्रभाव हम आज भी महसूस करते हैं। उनके विचार देशवासियों के लिए प्रेरणापुंज हैं।

महात्मा फुले का जन्म 1827 में महाराष्ट्र में एक बहुत साधारण परिवार में हुआ। लेकिन शुरुआती चुनौतियां कभी उनकी शिक्षा, साहस और समाज के प्रति समर्पण को नहीं रोक पाईं। उन्होंने हमेशा यह माना कि चाहे कितनी भी कठिनाइयां क्यों न आएं, इंसान को मेहनत करनी चाहिए, ज्ञान हासिल करना चाहिए और समस्याओं का समाधान करना चाहिए, न कि उन्हें अनदेखा करना चाहिए। बचपन से ही महात्मा फुले बहुत जिज्ञासु थे और अपनी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा कहीं अधिक पुस्तकें पढ़ते थे। वो कहते भी थे, हम जितना ज्यादा सवाल करते हैं, उनसे उतना ही अधिक ज्ञान निकलता है। साफ है कि बचपन से मिली जिज्ञासा उनकी पूरी यात्रा में बनी रही।

महात्मा फुले के जीवन में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण मिशन बनी। उनका मानना था कि ज्ञान किसी एक वर्ग की संपत्ति नहीं, बल्कि एक ऐसी शक्ति है, जिसे सभी के साथ साझा किया जाना चाहिए। जब समाज के बड़े हिस्से को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, तब उन्होंने लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए स्कूल खोले। वे कहते थे, बच्चों में जो सुधार मां के माध्यम से आता है, वह बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए अगर स्कूल खोले जाएं, तो सबसे पहले लड़कियों के लिए खोले जाएं। उन्होंने शिक्षा को न्याय और समानता का माध्यम बनाया।

शिक्षा के प्रति उनका दृष्टिकोण हमें आज भी बहुत प्रेरित करता है। पिछले एक दशक में भारत ने युवाओं के लिए रिसर्च और इनोवेशन को बहुत प्राथमिकता दी है। एक ऐसा इकोसिस्टम बनाने का प्रयास किया गया है, जिसमें युवा सवाल पूछने, नई चीजें सीखने और इनोवेशन के लिए प्रेरित हों। ज्ञान, कौशल और अवसरों में निवेश करके भारत अपने युवाओं को देश की प्रगति का आधारस्तंभ बना रहा है।

अपने शैक्षिक ज्ञान और बौद्धिकता से महात्मा फुले ने कृषि, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों की गहरी जानकारी हासिल की। वे कहते थे कि किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय समाज को कमजोर करता है। उन्होंने देखा कि सामाजिक असमानताएं खेतों और गांवों में लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं। इसलिए उन्होंने गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों को सम्मान दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए भी हरसंभव प्रयास किए।

महात्मा फुले ने कहा था, जोपर्यंत समाजातील सर्वांना समान अधिकार मिळत नाहीत, तोपर्यंत खरे स्वातंत्र्य मिळत नाही यानी जब तक समाज के सभी लोगों को समान अधिकार नहीं मिलते, तब तक सच्ची आजादी नहीं मिल सकती। इसी विचार को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने कई संस्थाओं की स्थापना की। उनका सत्यशोधक समाज, आधुनिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण समाज सुधार आंदोलनों में से एक था। यह आंदोलन सामाजिक सुधार, सामुदायिक सेवा और मानवीय गरिमा को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा था। यह महिलाओं, युवाओं और गांवों में रहने वाले लोगों की पुरजोर आवाज बना। यह आंदोलन उनके इस विश्वास को दर्शाता है कि समाज की मजबूती के लिए न्याय, हर व्यक्ति के प्रति सम्मान और सामूहिक प्रगति जरूरी है।

उनका व्यक्तिगत जीवन भी साहस की मिसाल रहा। लगातार लोगों के बीच रहकर काम करने का असर उनके स्वास्थ्य पर भी पड़ा। लेकिन गंभीर बीमारी भी उनके संकल्प को कमजोर नहीं कर सकी। एक गंभीर स्ट्रोक के बाद भी उन्होंने अपना काम और समाज के लिए संघर्ष जारी रखा। उनका शरीर कमजोर हुआ, लेकिन समाज के प्रति उनका समर्पण कभी नहीं डगमगाया। आज भी करोड़ों लोग उनके जीवन के इस पहलू से प्रेरणा लेते हैं।

महात्मा फुले का स्मरण, सावित्रीबाई फुले के सम्मानजनक उल्लेख के बिना अधूरा है। वह स्वयं भारत की महान समाज सुधारकों में से एक थीं। भारत की पहली महिला शिक्षिकाओं में शामिल सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में बेहद अहम भूमिका निभाई। महात्मा फुले के निधन के बाद भी उन्होंने इस कार्य को जारी रखा। 1897 में प्लेग महामारी के दौरान उन्होंने मरीजों की इतनी सेवा की कि वह स्वयं भी इस बीमारी की शिकार हो गईं और उनका निधन हो गया।

भारतभूमि बार-बार ऐसी महान विभूतियों से धन्य होती रही है, जिन्होंने अपने विचार, त्याग और कर्म से समाज को मजबूत बनाया है। उन्होंने बदलाव का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं बदलाव का माध्यम बने। सदियों से हमारे देश में समाज सुधार की आवाज उन्हीं लोगों से उठी है, जिन्होंने पीड़ा को भाग्य नहीं माना, बल्कि उसे खत्म करने के प्रयासों में जुटे रहे। महात्मा ज्योतिराव फुले भी ऐसे ही महान व्यक्तित्व थे। मुझे 2022 में पुणे की अपनी यात्रा याद है, जब मैंने शहर में महात्मा फुले की भव्य प्रतिमा पर उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उनके 200वें जयंती वर्ष की शुरुआत पर हम उनके विचारों को अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। हमें शिक्षा के प्रति अपने संकल्प को मजबूत करना होगा।

ईरान युद्ध के बाद बदलते समीकरण, भारत के सामने नई कूटनीतिक चुनौतियाँ

ईरान से जुड़े हालिया युद्ध और उसके बाद हुए सीजफायर ने मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत दे दिए हैं। इस पूरे घटनाक्रम का असर भारत की विदेश नीति पर भी पड़ सकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को आने वाले समय में कई नए कूटनीतिक फैसले लेने पड़ सकते हैं।

युद्ध के दौरान जिस तरह विभिन्न देशों ने मध्यस्थता की भूमिका निभाई, उससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव की संभावना बढ़ गई है। पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देशों की सक्रियता ने संकेत दिया है कि मध्य पूर्व की राजनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। भारत अब तक इस क्षेत्र में इजरायल के साथ मजबूत रणनीतिक और रक्षा संबंधों को प्राथमिकता देता रहा है, लेकिन बदलती परिस्थितियों में उसे संतुलित नीति अपनानी पड़ सकती है। युद्ध के बाद यह भी चर्चा है कि ईरान मुस्लिम देशों के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करेगा। यदि ऐसा होता है तो भारत और इजरायल जैसे गैर-मुस्लिम देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो सकती हैं। इस बीच अमेरिका का रुख भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संकेत मिल रहे हैं कि अमेरिका सीधे युद्ध में लंबे समय तक शामिल रहने से बचना चाहता है और क्षेत्रीय देशों को अधिक भूमिका देना चाहता है। मध्य पूर्व में तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इजरायल और विभिन्न संगठनों के बीच संघर्ष की आशंका बनी हुई है। यदि क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है, तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है, जो भारत जैसी बड़ी तेल आयातक अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय है।

भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती संतुलन बनाए रखना है। एक ओर उसके इजरायल के साथ मजबूत रक्षा और तकनीकी संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर खाड़ी देशों और ईरान से भारत को ऊर्जा और व्यापारिक सहयोग मिलता है। भारत के लाखों प्रवासी नागरिक भी खाड़ी देशों में काम करते हैं, जिससे इस क्षेत्र की स्थिरता भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी हुई है। कश्मीर मुद्दे पर भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। यदि इस्लामिक सहयोग संगठन जैसे मंचों पर इस विषय को उठाया जाता है, तो भारत को अपने पक्ष को मजबूती से रखना होगा।

समान नागरिक संहिता आज की बड़ी जरूरत

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) फिर खबरों में है। 6 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ-साथ इस अधूरे वायदे की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस पर गंभीर और सकारात्मक बातचीत चल रही है। साल 2023 में भी प्रधानमंत्री ने संकेत दिया था कि सरकार यूसीसी पर गंभीरता से काम कर रही है। 22वें विधि आयोग ने भी इस बाबत सार्वजनिक और धार्मिक संस्थानों सहित तमाम साझेदारों से सुझाव मांगे थे। इसे तैयार किया जाना चाहिए। इसकी चर्चा संविधान के अनुच्छेद 44 में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के रूप में तो है ही, सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसका समर्थन किया है। उसने कहा था- समान नागरिक संहिता परस्पर विरोधी विचारधाराओं वाली विभिन्न निष्ठाओं को दूर करके राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देगी। निस्संदेह, समान नागरिक संहिता भारतीय संविधान के मूल सिद्धांत धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने का एक अनिवार्य प्रयास है, फिर भी इसे हमेशा धार्मिक चश्मे से देखा जाता है। इस पर बहस आजादी से पहले से चली आ रही है।

मैं यहां अक्तूबर 1840 की लेक्स लोकी रिपोर्ट का ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहता, जिसने अपराधों, साक्ष्यों और अनुबंधों के लिए एकरूपता के महत्व पर जोर दिया। मगर 1941 में गठित बीएन राव समिति ने भी, जिसे उस समय हिंदू विधि समिति के नाम से जाना जाता था, सिफारिश की थी कि भारत सरकार अपने सभी नागरिकों के लिए एक 'समान नागरिक संहिता' अपनाए। उसका तर्क था कि इससे सभी नागरिकों के बीच, चाहे उनका धर्म कोई भी हो, राष्ट्रीय एकता और समानता को बढ़ावा मिलने में मदद मिलेगी। समिति ने यह भी सुझाव दिया था कि भारत के विभिन्न धार्मिक समुदायों के 'व्यक्तिगत कानून' प्राय: महिलाओं और अन्य कमजोर वर्गों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया रखते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रत्येक धर्म के लिए अलग-अलग कानून की अवधारणा को खारिज करते हुए समान नागरिक कानून की वकालत किया करते थे, मगर विभाजन के बाद तीव्र धार्मिक ध्रुवीकरण को देखते हुए उन्होंने केवल हिंदू समाज के लिए समान कानून लाना उचित समझा। उन्होंने बीएन राव समिति की रिपोर्ट को हिंदू संहिता विधेयक के नाम पर लागू किया, जो केवल हिंदू समुदाय पर लागू होता था। इस कवायद का कई हिंदू नेताओं ने विरोध किया, जिनमें तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, कांग्रेस अध्यक्ष व गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गुरुजी गोलवलकर शामिल थे। उनके तर्क थे कि व्यक्तिगत कानूनों में सुधार धार्मिक समूहों द्वारा ही बढ़ाया जाना चाहिए, वह भी बाहरी कानूनों के बजाय आंतरिक सामाजिक सुधारों के माध्यम से।

यह समझना चाहिए कि यूसीसी का उद्देश्य उन विभिन्न कानूनों की जगह लेना है, जो एक-दूसरे के साथ बेमेल हैं और वर्तमान में विभिन्न धार्मिक समूहों पर लागू हैं। यह सभी के लिए एकसमान कानूनी ढांचा होगा। इन कानूनों में हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, भारतीय ईसाई विवाह अधिनियम, भारतीय तलाक अधिनियम, पारसी विवाह और तलाक अधिनियम शामिल हैं। सच यही है कि शरिया (इस्लामी कानून) जैसे कुछ कानून अब तक संहिताबद्ध नहीं किए जा सके हैं, और वे पूरी तरह से मजहबी किताबों की मौलवियों द्वारा की गई व्यक्तिगत व्याख्या पर ही आधारित हैं। यूसीसी में जो प्रस्ताव है, उनमें एक-विवाह, बेटे और बेटी को पैतृक संपत्ति में समान उत्तराधिकार, लैंगिक न्याय और वसीयत, दान, धार्मिक मामलों, अभिभावकत्व और बच्चों की कस्टडी साझा करने से जुड़े कानून होंगे, जो लैंगिक भेदभाव से परे और धर्म-निरपेक्ष होंगे। 'ईसाई' पश्चिमी देश, 'कट्टर' इस्लामी मुल्क और 'उदार' यूरोपीय राष्ट्रों के विपरीत, भारत धर्मों को परस्पर विरोधी नहीं मानता, बल्कि सभी का समान भाव से सम्मान करता है। हिंदू समाज ने बदलावों को स्वीकार किया है, अन्य धार्मिक समूहों को भी समय के साथ बदलना चाहिए। ऐसे बदलावों को 'इस्लामोफोबिया' के रूप में देखना गलत होगा।

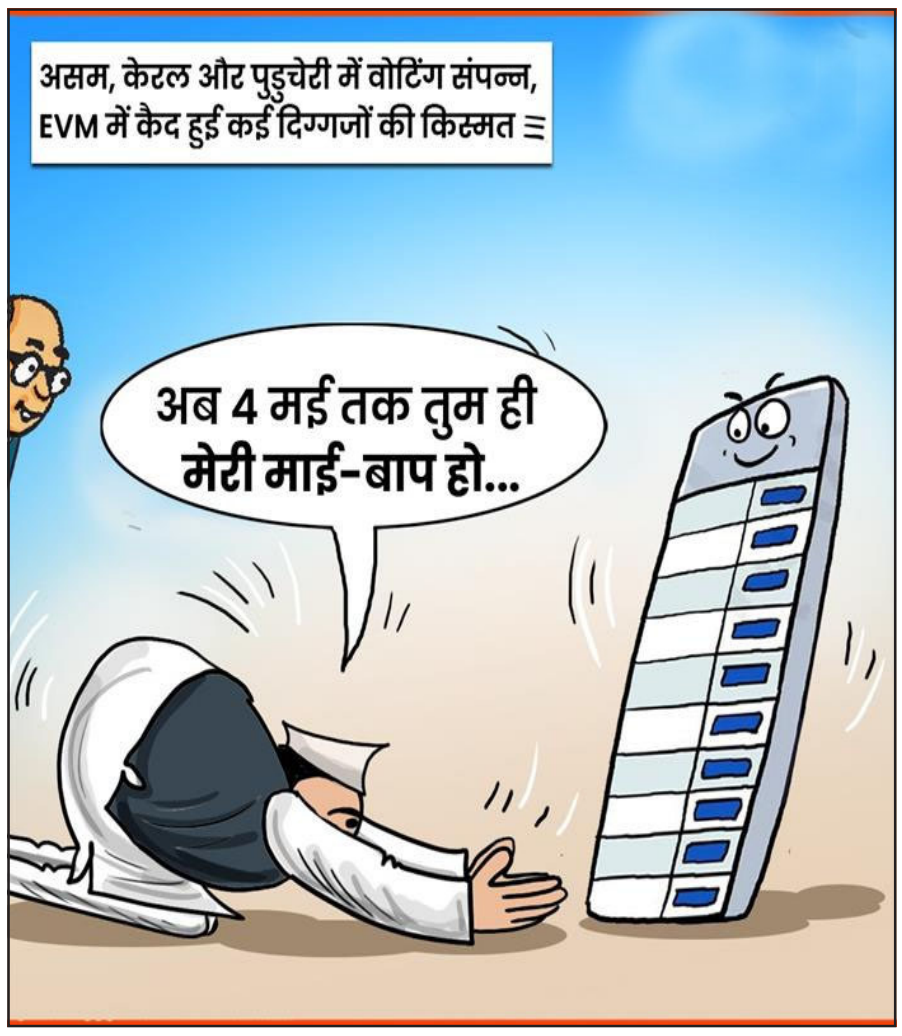

ननद के डेब्यू से खुश हैं आलिया

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी ननद और सास यानी रिद्धिमा कपूर साहनी और नीतू कपूर की अपकमिंग फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। आलिया ने इंस्टाग्राम के जरिए दादी की शादी को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। पोस्टर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में शेयर करते हुए आलिया ने नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी को टैग करते हुए लिखा, वाह, इसके बाद उन्होंने चक्कर आने वाले और इंद्रधनुष के इमोजी लगाए।

पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर, ऋषि कपूर से लेकर करिश्मा, करीना और रणबीर तक कपूर खानदान ने हिंदी सिनेमा को अब तक कई बड़े स्टार दिए हैं। अब कपूर फैमिली की एक और सदस्य बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रही हैं और वो भी 45 की उम्र में। हम बात कर रहे हैं दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी और रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी की, जो कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म दादी की शादी से अपना एक्टिंग डेब्यू कर रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म का नया पोस्टर जारी किया और रिलीज डेट का ऐलान किया, जिस पर अब आलिया भट्ट का रिएक्शन वायरल हो रहा है।

आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी ननद और सास यानी रिद्धिमा कपूर साहनी और नीतू कपूर की अपकमिंग फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। आलिया ने इंस्टाग्राम के जरिए दादी की शादी को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। पोस्टर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में शेयर करते हुए आलिया ने नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी को टैग करते हुए लिखा, वाह, इसके बाद उन्होंने चक्कर आने वाले और इंद्रधनुष के इमोजी लगाए।

मेकर्स ने 10 अप्रैल को फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें कपिल शर्मा, नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, आर सरथ कुमार और सादिया खतीब जैसे कलाकार नजर आएंगे। पोस्टर से एक बात जाहिर होती है कि ये एक कॉमेडी ड्रामा होगी, जिसे दर्शक परिवार के साथ एंजॉय कर सकेंगे। इस फिल्म के निर्देशक आशीष मोहन हैं, जो अक्षय कुमार स्टारर खिलाड़ी 786 जैसी फिल्मों के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं और अब नई कॉमेडी-ड्रामा के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म

कपिल शर्मा, नीतू कपूर और रिद्धिमा कपूर साहनी स्टारर दादी की शादी 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- दादी इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं और सारे नियम तो़ रहीहैं। क्या परिवार उनका साथ देगा या खिलाफ होगा? दादी की शादी 8 मई को रिलीज हो रही है।

सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1 के साथ लौटेगा सुरों का जादू

सोनी पल की प्रोग्रामिंग में पहले से ही पौराणिक, कॉमेडी और रियलिटी जैसे कई जॉनर के शो शामिल रहे हैं, जो दर्शकों को अलग-अलग तरह का मनोरंजन देते आए हैं। इसी लाइन-अप में अब एक नया शो जुड़ने जा रहा है। 'ओजी सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1' 13 अप्रैल 2026 से शुरू होगा। यह शो संगीत और टैलेंट पर आधारित होगा, जिसमें अलग-अलग प्रतिभागी अपनी परफॉर्मेंस के जरिए मंच पर नजर आएंगे। इसका प्रसारण सोमवार से शनिवार, रात 8:30 बजे होगा, जहां दर्शक हर दिन संगीत और मनोरंजन से जुड़ा नया अनुभव देख सकेंगे।

बच्चों की प्रतिभा, बड़े मंच पर चमकते सुर

'सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1' एक ऐसा शो है जिसने बच्चों की गायन प्रतिभा को बड़े मंच पर पहचान दिलाने का काम किया है। अपने भावनात्मक और आकर्षक फॉर्मेट की वजह से यह शो दर्शकों के बीच खास जगह बना चुका है, जहां छोटे प्रतिभागी अपने हुनर और मेहनत से हर एपिसोड में अलग छाप छोड़ते हैं।

इस सीज़न में जज के तौर पर अलका याग्निक, हिमेश रेशमिया और जावेद अली शामिल हैं, जो अपने अनुभव और मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को सही दिशा देने का काम करते हैं। वहीं शो को होस्ट जय भानुशाली कर रहे हैं, जो अपने अंदाज़ से पूरे कार्यक्रम को और भी रोचक बनाते हैं।

मेंटर-आधारित फॉर्मेट में बंटा संगीत का सफर

शो के इस सीज़न में प्रतिभागियों को चार अलग-अलग टीमों में बांटा गया है, जिनका नेतृत्व नितिन कुमार, ज्योतिका तंगड़ी, सलमान अली और सचिन कुमार वाल्मीकि कर रहे हैं। हर टीम अपने-अपने मेंटर की गाइडेंस में आगे बढ़ती है, जिससे युवा सिंगिंग टैलेंट को सही दिशा और बेहतर मंच मिल सके। पूरा फॉर्मेट मेंटर-आधारित रखा गया है, जिसमें प्रतिभागियों को लगातार सीखने और खुद को निखारने का मौका मिलता है। यही वजह है कि शो में सिर्फ प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि एक सीखने और ग्रो करने का सफर भी देखने को मिलता है। चार हफ्तों में फैले कुल 24 एपिसोड्स के इस सीज़न में कई भावनात्मक पल, शानदार परफॉर्मेंस और यादगार प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी, जो इसे एक संपूर्ण म्यूजिकल अनुभव बनाती हैं।

ग्रैंड गाला प्रीमियर से शुरू होगा संगीत का नया सफर

प्रीमियर की शुरुआत एक ग्रैंड गाला एपिसोड के साथ होगी, जिसमें शो के कुछ प्रमुख और यादगार पलों की झलक भी दिखाई जाएगी। यह एपिसोड पूरे सीज़न के माहौल और थीम को सेट करेगा। इस सीज़न में कई थीम आधारित एपिसोड शामिल हैं, जैसे 'द एपिक 90ह्य', 'जय जवान जय किसान', 'शादी स्पेशल', 'मदर्स स्पेशल' और 'गणपति स्पेशल'। इसके साथ ही अलग-अलग एपिसोड्स में कई दिग्गज कलाकारों को ट्रिब्यूट भी दिया जाएगा, जिससे हर एपिसोड एक अलग अनुभव बनता है और संगीत के विभिन्न रंग देखने को मिलते हैं।

'ओजी सुपरस्टार सिंगर सीज़न 1' का प्रसारण 13 अप्रैल से सोमवार से शनिवार, रात 8:30 बजे निर्धारित है। पूरा सीज़न संगीत, भावनाओं और यादगार परफॉर्मेंस से भरे एक विस्तृत म्यूजिकल सफर के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

दीपिका को मिली अल्लू अर्जुन से 7 गुना कम फीस

अल्लू अर्जुन को इस फिल्म के लिए लगभग 175 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं, दीपिका पादुकोण को 25 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। इसके अलावा,रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रश्मिका मंदाना, जिनकी फिल्म की स्टार कास्ट में अभी पुष्टि नहीं हुई है, कथित तौर पर फिल्म में अपनी भूमिका के लिए 5-7 करोड़ रुपये ले रही हैं।

अल्लू अर्जुन की फिल्म %राका% का पहला पोस्टर जारी होने के बाद से ही यह लुक और ट्रांसफॉर्मेशन कमाल का है। इस हाई-बजट साइंस-फाई एक्शन फिल्म को लेकर चल रही चर्चा के अलावा एक और मुद्दा भी सामने आया है। खबर आ रही हैं कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म के लिए अल्लू अर्जुन से काफी कम फीस मिल रही है। वो भी थोड़ी बहुत नहीं बल्कि सात गुना कम फीस। दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में से एक माना जाता है, जो वर्षों से मुख्य अभिनेत्री के रूप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मनोरंजन उद्योग पर राज कर रही हैं।

डेक्कन क्रॉनिकल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अल्लू अर्जुन को इस फिल्म के लिए लगभग 175 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं, दीपिका पादुकोण को 25 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। इसके अलावा,रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रश्मिका मंदाना, जिनकी फिल्म की स्टार कास्ट में अभी पुष्टि नहीं हुई है, कथित तौर पर फिल्म में अपनी भूमिका के लिए 5-7 करोड़ रुपये ले रही हैं।

इस रिपोर्ट ने इंडस्ट्री के अंदर मेल और फीमेल एक्टर्स के बीच सैलरी के अंतर को एक बार फिर से जन्म दे दिया है। कई सालों से यह असमानता इंडस्ट्री में एक महत्वपूर्ण मुद्दा रही है, जिसमें महिला अभिनेत्रियों को अक्सर अपने पुरुष को-एक्टर की तुलना में बहुत कम वेतन मिलता है, भले ही वे मुख्य भूमिका निभा रही हों।

क्या है राका का बजट?

खबरों के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट का बजट 700 करोड़ रुपये है, जो इसे वर्तमान में बन रही सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनाता है। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है और हम इसकी सटीकता के बारे में नहीं कह सकते।

प्रेम प्रसंग में सनसनीखेज वारदात

बक्सर के युवक को यूपी में चार गोलियां मारीं, हालत नाजुक, इलाके में दहशत

बक्सर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नरहीं थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। बक्सर निवासी 20 वर्षीय युवक आर्यन यादव को अज्ञात हमलावरों ने गंगा नदी जाने वाले रास्ते पर रोककर ताबड़तोड़ गोलियां मार दीं। घटना रात करीब आठ बजे सोहांव गांव के सामने हुई, जहां अचानक चली गोलियों की आवाज से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक सड़क किनारे पहुंचा ही था कि पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। हमलावरों ने करीब से कई राउंड फायरिंग की, जिससे आर्यन मौके पर ही गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। गोलीबारी की आवाज सुनते ही ग्रामीण मौके की ओर दौड़े और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही नरहीं थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और खून से लथपथ युवक को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नरहीं पहुंचाया गया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन स्थिति अत्यंत गंभीर होने के कारण उसे तत्काल जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीएचसी नरहीं के डॉक्टर ब्रज कुमार ने बताया कि घायल युवक के शरीर में चार गोलियां लगी हैं—एक जांघ में, एक सीने में, एक पेट और पीठ के बीच तथा एक अंडकोष के पास। चिंताजनक बात यह है कि चारों गोलियां शरीर के अंदर ही फंसी हुई हैं और कोई भी गोली बाहर नहीं निकली है, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार उसकी स्थिति पर नजर रखे हुए है।

घटना के बाद जब युवक को होश आया तो उसने पुलिस को हमलावरों के नाम बताए। पुलिस के अनुसार, जिन लोगों के नाम सामने आए हैं वे बक्सर के जासो रोड इलाके के बताए जा रहे हैं। नरहीं थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं पुरानी रंजिश या अन्य विवाद तो इस हमले की वजह नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक कृपाशंकर और सीओ राकेश कुमार सिंह सहित चितबड़ागांव पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं और हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों को लगाया गया है। संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। इस खौफनाक वारदात के बाद सोहांव गांव और आसपास के क्षेत्रों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं और लोग देर रात तक घरों से बाहर निकलने से भी डर रहे हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के हवाले किया जाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और प्रेम प्रसंग सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

5 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म, पूरे इलाके में तनाव और आक्रोश व्याप्त

बक्सर (संवाददाता)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने मानवता को झकझोर कर रख दिया है। यहाँ एक पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना के बाद से पूरे इलाके में आक्रोश और तनाव का माहौल है।

सुनसान मकान में सिसकती मिली बच्ची: घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव की है। ग्रामीणों ने एक नवनिर्मित (अधबने) मकान से बच्ची के रोने की आवाज सुनी। जब लोग वहां पहुंचे, तो बच्ची की हालत देख उनके होश उड़ गए। परिजनों को सूचना मिलते ही वे बच्ची को लेकर तुरंत सदर

अस्पताल भागे। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद बच्ची के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि की है। फिलहाल मासूम का इलाज चल रहा है और उसकी स्थिति पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय ने स्वयं मामले की पुष्टि की है। पुलिस की जांच में जो बातें निकलकर सामने आ रही हैं, वे और भी चौंकाने वाली हैं। एसडीपीओ ने बताया कि पांच वर्षीय बच्ची के साथ हुई इस घटना की सघन जांच की जा रही है। बच्ची फिलहाल अस्पताल में उपचाराधीन है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। चर्चा है कि आरोपी भी नाबालिग हो सकता है, लेकिन उसकी सही उम्र गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरोपी भी गांव का ही एक किशोर (नाबालिग) हो सकता है। पुलिस इस पहलू पर भी बारीकी से जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने जानबूझकर सुनसान जगह का फायदा उठाया। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

डाक विभाग का 'समर्पण सम्मान समारोह' भव्य आयोजन, उत्कृष्ट कर्मियों को मिला सम्मान

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर में डाक विभाग द्वारा रविवार को एक भव्य एवं गरिमामय 'समर्पण सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Maharshi Vishwamitra University के मानस भवन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

इस समारोह में डाक विभाग के विभिन्न शाखा डाकघरों और इकाइयों में कार्यरत उन कर्मियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने लक्ष्य प्राप्ति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पवन कुमार (निदेशक डाक सेवाएं, बिहार सर्किल, पटना) उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि India Post देश की सबसे पुरानी और विश्वसनीय सेवा संस्थाओं में से एक है। इसकी सफलता का आधार इसके कर्मचारियों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डाक विभाग पारंपरिक सेवाओं से आगे बढ़कर बैंकिंग, बीमा, डिजिटल सेवाओं और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक अपनी पहुंच बना रहा है। उन्होंने कर्मचारियों को इसी तरह निरंतर बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बक्सर मंडल की डाक अधीक्षक कुमारी सरिता ने की। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में बक्सर डिवीजन ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विभाग को 84,500 बचत खाते खोलने का लक्ष्य दिया गया था, जिसके मुकाबले 1,26,734 नए खाते खोलकर लक्ष्य से कहीं अधिक सफलता प्राप्त की गई। 34,569 खातों के बंद होने के बावजूद 92,165 खातों की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई, जो विभाग की सक्रियता और आम जनता के विश्वास को दर्शाती है।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बक्सर का प्रधान डाकघर आम जनता की सुविधा के लिए सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक सेवाएं प्रदान कर रहा है। यहां पासपोर्ट सेवा केंद्र और आधार नामांकन एवं अद्यतन केंद्र भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। साथ ही India Post Payments Bank के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं भी सुलभ कराई जा रही हैं।

इस अवसर पर कई कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, नवाचार, लक्ष्य प्राप्ति और जनसेवा के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभाग की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करते हुए भविष्य में और बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से किया गया। अंत में सभी अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया गया। समारोह में विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुरों की अमर धरोहर आशा भोंसले का निधन, संगीत जगत में शोक की गहरी लहर

बक्सर (संवाददाता)। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज और बहुमुखी प्रतिभा की धनी गायिका Asha Bhosle के निधन से देश-विदेश में शोक की लहर दौड़ गई है। 92 वर्ष की आयु में उनके देहावसान के साथ ही भारतीय फिल्म संगीत का एक स्वर्णिम अध्याय मानो समाप्त हो गया। उनकी मधुर और भावपूर्ण आवाज ने दशकों तक संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया और आज भी उनके गीत हर पीढ़ी के लोगों की जुबान पर बसे हुए हैं।

आशा भोंसले का योगदान केवल हिंदी सिनेमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने विभिन्न भाषाओं में हजारों गीत गाकर भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उनके गायन में अद्भुत विविधता थी—चाहे वह रोमांटिक गीत हों, ग़ज़लें, भजन, पॉप या फिर चुलबुले फिल्मी गीत—हर शैली में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई, अभिव्यक्ति की सहजता और सुरों की मिठास का अनूठा संगम था, जिसने उन्हें संगीत जगत की 'सुर साम्राज्ञी' बना दिया।

उनके निधन पर जिला कलाकार संघ, बक्सर (डाब) ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संघ के अध्यक्ष सुरेश संगम ने प्रेस बयान जारी करते हुए कहा कि आशा भोंसले का जाना केवल एक महान कलाकार का निधन नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि आशा जी की आवाज हर भावना को जीवंत कर देती थी—उनके गीतों में प्रेम की कोमलता, विरह की पीड़ा, उल्लास की चमक और शरारत की मिठास साफ झलकती थी। उनका संगीत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

संघ के महासचिव हरिशंकर गुप्ता ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि आशा भोंसले की गायकी एक ऐसा जादू थी, जो श्रोताओं को भावनाओं की दुनिया में ले जाता था। उन्होंने कहा कि उनके गाए गीत न सिर्फ मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि वे भारतीय संगीत की आत्मा को दर्शाते हैं। उनकी आवाज में वह शक्ति थी, जो हर दौर और हर पीढ़ी को जोड़ने का काम करती रही।

जिला कलाकार संघ के अन्य सदस्यों ने भी महान गायिका को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आशा भोंसले का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उनके अनगिनत कालजयी गीत संगीत प्रेमियों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे और उनकी विरासत आने वाले समय में भी भारतीय संगीत को समृद्ध करती रहेगी। संघ के सभी सदस्यों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार, प्रशंसकों और पूरे संगीत जगत को इस दुखद क्षति को सहने की शक्ति दें। आशा भोंसले भले ही आज हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनके सुर सदैव अमर रहेंगे और संगीत प्रेमियों के दिलों में गूंजते रहेंगे।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में 25 शिक्षकों ने नहीं दिया स्पष्टीकरण

नावानगर (संवाददाता)। प्रखंड के लगभग 400 शिक्षकों द्वारा फर्जी ढंग से उपस्थिति बनाने के आरोप में बीईओ श्याम बिहारी प्रसाद द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

इन शिक्षक – शिक्षिकाओं से 24 घण्टे के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। इस संबंध में विगत 1 अप्रैल को पत्र निर्गत किया गया था। पर 10 दिन बीत जाने के बाद भी प्रखंड के 25 शिक्षकों ने अपना स्पष्टीकरण बीईओ कार्यालय को नहीं दिया है।

डुमरांव पावर सब स्टेशन की क्षमता बढ़ाने की तैयारी

नया ट्रांसफार्मर लगाने के लिए आज 6 घंटे बिजली रहेगी बंद

बक्सर (संवाददाता)। शहर और आसपास के क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में बिजली विभाग एक अहम कदम उठाने जा रहा है। डुमरांव विद्युत पावर सब स्टेशन (33/11 केवी) की क्षमता बढ़ाने के लिए यहां अतिरिक्त नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। ट्रांसफार्मर लगाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान शहर समेत कई ग्रामीण इलाकों में करीब छह घंटे तक बिजली गुल रहेगी।

बिजली विभाग के कनीय विद्युत अभियंता मो. इम्तियाज ने बताया कि पावर सब स्टेशन में 3.15 एमवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाया जा रहा है। इस कार्य के पूरा होने के बाद डुमरांव और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चली आ रही लो वोल्टेज, बार-बार ट्रिपिंग और ओवरलोड की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग का कहना है कि बढ़ती बिजली खपत और उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए यह अपग्रेडेशन बेहद जरूरी हो गया था।

ट्रांसफार्मर स्थापना कार्य के दौरान 11 केवी टेक्सटाइल फीडर, 11 केवी टाउन फीडर, नया भोजपुर 11 केवी फीडर, 11 केवी बरूना फीडर और ग्रामीण फीडर से जुड़े सभी इलाकों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। इसके चलते घरों के साथ-साथ बाजार, छोटे उद्योग, व्यापारिक प्रतिष्ठान और सरकारी कार्यालय भी प्रभावित होंगे। बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय से पहले जरूरी काम निपटा लें। खासकर पानी की पर्याप्त व्यवस्था, मोबाइल और इन्वर्टर चार्जिंग, तथा अन्य जरूरी घरेलू और व्यावसायिक कार्य पहले ही कर लेने की सलाह दी गई है, ताकि बिजली कटौती के दौरान परेशानी कम हो।

भविष्य में मिलेगी बेहतर बिजली सेवा

अधिकारियों के अनुसार नया ट्रांसफार्मर लगने के बाद पावर सब स्टेशन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र में वोल्टेज स्थिर रहेगा और बार-बार बिजली गुल होने की समस्या में कमी आएगी। गर्मी के मौसम में बढ़ते लोड के बावजूद उपभोक्ताओं को पहले से अधिक सुचारु और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। बिजली विभाग का कहना है कि कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाए और उपभोक्ताओं को कम से कम असुविधा हो। इस परियोजना को डुमरांव क्षेत्र में बिजली ढांचे को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने वाले एसडीपीओ को मिला सम्मान

बक्सर (संवाददाता)। विधि-व्यवस्था व बेहतर नेतृत्व के लिए एसडीपीओ को डीआईजी ने दिया प्रशस्ति पत्र फोटो डुमरांव, हमारे प्रतिनिधि। बेहतर नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने वाले डुमरांव के एसडीपीओ पोलस्त कुमार को शाहाबाद प्रक्षेत्र के डीआईजी सत्यप्रकाश ने सम्मानित किया है। डीआईजी ने प्रशस्ति पत्र दिया है। यह सम्मान कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और महत्वपूर्ण आयोजनों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए दिया गया है। प्रशस्ति पत्र के अनुसार एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने होली, ईद और रामनवमी जैसे संवेदनशील त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता और प्रभावी रणनीति के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने में सफलता पाई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के दौरान भी उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480